आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 7 अगस्त 2026 ■ श्रावण कृष्ण पक्ष-9 ■ वर्ष -42 ■ अंक-130 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 08 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

मोदी ने ममता और उद्धव गुट से अलग हुए सांसदों के साथ की बैठक

नई दिल्ली,7 अगस्त. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे से बागी हुए सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की. इस बैठक के दौरान पीएम मोदी ने सांसदों को संसद की डिबेट में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने का सुझाव दिया. पीएम मोदी ने सांसदों को आश्वस्त करते हुए कहा, किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, मैं आपके साथ हूं. पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए एक परिवार है. उन्होंने शिवसेना में हाल ही में शामिल 6 सांसदों के साथ एक अलग बैठक की. उन्होंने सांसदों से संसदीय इतिहास को पढ़ने, जानने और समझने के लिए कहा. पीएम मोदी ने बताया कि संसद में इतिहास से जुड़ा बहुत सारा मैटेरियल उपलब्ध है, डिबेट में तैयारी करने के लिए उसका इस्तेमाल कीजिए.

घर घुसकर महिला पर नकाबपोश ने हमलाकर की चोरी

धमतरी,7 अगस्त। धमतरी जिले के मगरलोड थाना क्षेत्र स्थित भेण्डरी गांव में देर रात एक ऐसी वारदात हुई जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। एक अज्ञात बदमाश रेनकोट और चेहरे पर नकाब पहनकर एक मकान में घुस गया। घर में मौजूद महिला ने जब उसकी आहट महसूस की और विरोध करने की कोशिश की, तो आरोपी ने उस पर हमला कर दिया। हमले में महिला घायल हो गई। इसके बाद बदमाश घर से सामान लेकर फरार हो गया। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिससे पुलिस को जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। घटना के बाद घायल महिला के परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मगरलोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने के साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने अपनी पहचान छिपाने के लिए रेनकोट और चेहरे पर नकाब पहन रखा था, ताकि उसकी पहचान न हो सके। हालांकि घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसकी गतिविधियां कैद हो गई हैं। पुलिस फुटेज की बारीकी से जांच कर रही है और संदग्धि की पहचान करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। घटना के बाद भेण्डरी गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

संसद में शाह के बयान की मांग,सत्ता पक्ष-विपक्ष में तकरार

भारी हंगामे के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के स्थगित

नई दिल्ली,7 अगस्त। मानसून सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्ष के भारी हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा, को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया। इस राजनीतिक गतिरोध के बावजूद, लोकसभा ने 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित किया, जिसका उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में पंजीकरण और अनुपालन को सरल बनाना है। विपक्ष द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर बयान की मांग के मद्देनजर नारेबाजी के बीच संसद के दोनों सदनों को 10 अगस्त को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सदन में हंगामे के बीच राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सत्ताधारी और विपक्षी दोनों पक्षों से बैठने का आग्रह किया। प्रश्नकाल के दौरान सदन को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा में किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री सदन में कब आए। निचले सदन में कड़े शब्दों में जवाब देते हुए रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह का नाम सुनकर आतंकवादी कांपते हैं। उन्होंने कहा कि जब चर्चा शुरू होगी, तो आप सुन नहीं पाएंगे। वह लंबे समय तक संसद में रहते हैं। विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री आएगा। संबंधित मंत्री सदन में मौजूद हैं।

उच्च सदन की मंजूरी के बाद, लोकसभा ने आज 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित कर दिया।

यह विधेयक एमएसएमई के मुफ़्त और स्वैच्छिक रजिस्ट्रेशन के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को अधिसूचित करने का प्रावधान करता है; राज्य सरकारों को उनके गठन को तर्कसंगत बनाकर अतिरिक्त 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषदें' स्थापित करने में मदद करता है; और कुछ प्रावधानों के उल्लंघन से जुड़े अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करता है, जिसमें दोषी ठहराए जाने पर लगने वाले जुर्माने की जगह अलग-अलग स्तर के दंड का प्रावधान है और पहली बार उल्लंघन पर चेतावनी देने की व्यवस्था शामिल है।

उच्च सदन में, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंत्री अमित शाह के बयान की अपनी मांग दोहराई और दावा किया कि अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने अमित शाह को निर्देश जारी किया था; हालाँकि, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस दावे का खंडन किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि आपने (सभापति ने) गृह मंत्री से सदन में आकर बयान देने को कहा था। लेकिन वे (सत्ता पक्ष के सदस्य) आपकी बात का सम्मान नहीं कर रहे हैं और सदन का अपमान कर रहे हैं। किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताते हुए कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री कब सदन में आएगा। संसद में न आने के आरोपों के बीच, उन्होंने दावा किया कि गृह मंत्री शाह रोज़ाना संसद परिसर आते हैं।

बाघ ने बनाया बैल को शिकार

वनकर्मियों से भी हुआ आमना-सामना, पकड़ने के लिए लगाए ट्रैप कैमरा

मोहला-मानपुर,7 अगस्त। जिले में एक बार फिर बाघ की आमद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. मानपुर ब्लॉक के औंधी (नवागांव) उप वन परिक्षेत्र अंतर्गत निडेली गांव में बाघ ने बैल पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. घायल बैल का वन विभाग ने इलाज कराया, लेकिन बाघ के पंजों से बुरी तरह जख्मी होने के कारण उसकी मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक, घटना उस समय हुई, जब किसान अपने खेत में जोताई कर रहा था. इसी दौरान खेत से कुछ दूरी पर मौजूद उसके बैल पर बाघ ने अचानक हमला कर दिया. घटना के बाद मौके पर पहुंचे वन अमले ने जांच के दौरान बाघ के पगमार्क भी बरामद किए. घटना के बाद इलाके में पहुंचकर गश्त कर रहे वन कर्मियों से बाघ का बहुत करीबी सामना हुआ है. हालांकि इससे पहले कि बाघ इन वन कर्मियों पर हमला करता जैसे तैसे वन कर्मियों ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई. मृत मवेशी को जंगल में रखकर उसके आस-पास ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं. यह पहली घटना नहीं है. पिछले एक वर्ष के दौरान इसी औंधी क्षेत्र में बाघ कई बार देखा जा चुका है और वह पहले भी मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है. खासकर निडेली गांव के आसपास बीते दो महीनों में यह तीसरी घटना है, जब बाघ ने मवेशियों पर हमला किया है. किसान दसरू राम ने बताया कि वह खेत में जोताई कर रहा था. इसी दौरान खेत से कुछ दूर चर रहे उसके बैल पर अचानक बाघ ने हमला कर दिया. बैल को घायल करने के बाद बाघ वहां से भाग गया. ग्रामीण शेर सिंह ने बताया कि घटना के दौरान वह गांव से लगे खेत की ओर मौजूद था. इसी दौरान उसकी नजर बेहद करीब बैठे एक बाघ पर पड़ी. बाघ पत्थर पर बैठा अपनी पूंछ हिला रहा था.

तबादले के आधार पर समाप्त नहीं की जा सकती किसी कर्मचारी की अर्जित वरिष्ठता

बिलासपुर,7 अगस्त। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल प्रशासनिक कारणों से किए गए तबादले के आधार पर किसी कर्मचारी की अर्जित वरिष्ठता समाप्त नहीं की जा सकती। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने वन विभाग के 31 जुलाई 2014 के सर्कुलर की उस शर्त को सीमित सीमा तक असंवैधानिक करार दिया है, जिसके तहत एक वन वृत्त से दूसरे वन वृत्त में स्थानांतरित कर्मचारियों को संबंधित वृत्त की वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे रखा जाता था। मामले में वर्ष 2013 में प्रत्यक्ष भर्ती से नियुक्त कई वनरक्षकों ने याचिका दायर कर कहा था कि उनका स्थानांतरण केवल प्रशासनिक कारणों से हुआ था, फिर भी भर्ती में प्राप्त मेरिट को नजर अंदाज कर उन्हें वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे रखा गया।

उनका तर्क था कि वैधानिक भर्ती नियमों के विपरीत केवल एक कार्यपालिक सर्कुलर के आधार पर उनकी वरिष्ठता कम कर दी गई, जिससे पदोन्नति के अवसर प्रभावित हुए। इधर राज्य शासन ने दलील दी कि 31 जुलाई 2014 के सर्कुलर तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के तहत अंतरवृत्त स्थानांतरण होने पर कर्मचारी की वरिष्ठता स्थानांतरण वाले वृत्त में सबसे नीचे निर्धारित की जाती है, इसलिए याचिकाकर्ताओं के अभ्यावेदन सही ढंग से निरस्त किए गए। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता स्थानांतरण के जरिए नियुक्त कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि उनकी नियुक्ति प्रत्यक्ष भर्ती से हुई थी और बाद में प्रशासनिक कारणों से उनका तबादला किया गया। ऐसे में स्थानांतरण को दंड का आधार बनाकर उनकी भर्ती मेरिट समाप्त नहीं की जा सकती। अदालत ने साफ किया कि प्रशासनिक तबादला सेवा की सामान्य प्रक्रिया है और इससे कर्मचारी को प्रतिकूल नागरिक परिणाम नहीं भुगतने पड़ सकते, जब तक किसी वैधानिक प्रावधान में इसका स्पष्ट प्रावधान न हो। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 31 जुलाई 2014 के सर्कुलर की संबंधित शर्त को संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के विपरीत बताते हुए सीमित सीमा तक निरस्त कर दिया।

एनएसए के आरोपी को छुड़ाने परिजनों ने थाने में किया हंगामा

अभनपुर,7 अगस्त। रायपुर जिले के गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनके आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई के दौरान बड़ा बवाल हो गया। थाने में हंगामा होने के बाद जब पुलिस आरोपी को पकड़कर ले जा रही थी तो उसके परिजनों और समर्थकों ने बीच रास्ते पुलिस वाहन रोककर आरोपी को छुड़ाने की कोशिश की। इस दौरान बल प्रयोग कर स्थिति पर काबू पाया और आरोपी को सुरक्षित जेल रवाना किया। अब हंगामा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार, गोबरा नवापारा थाना के नामी हिस्ट्रीशीटर टुमन उर्फ लल्ला सोनवानी के विरुद्ध कलेक्टर रायपुर द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई करते हुए उसे केंद्रीय कारागार रायपुर में निरुद्ध रखने का आदेश पारित किया गया था। उक्त आदेश के पालन के लिए आज एक बस पुलिस बल के साथ गोबरा नवापारा पुलिस उसे

गिरफ्तार कर थाने लाई और जेल ले जाने से पूर्व कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर रही थी। इसी दौरान लल्ला के परिजनों सहित लगभग 10 महिलाएं और आधा दर्जन के करीब पुरुष थाने पहुंच गए। थाने में लल्ला, उसके परिजन और समर्थक लगातार गाली-गलौज करते हुए कार्रवाई को गलत बताते हुए बवाल करने लगे। किसी तरह स्थिति को नियंत्रित कर पुलिस लल्ला को केंद्रीय जेल रायपुर दाखिल कराने के लिए रवाना हुई। लेकिन रास्ते में ग्राम बजरंगपुर के पास उसके परिजनों और समर्थकों ने दो-तीन चारपहिया वाहनों को बीच सड़क पर लगाकर पुलिस वाहन को जबरन रोक लिया और उसमें बैठे लल्ला को छुड़ाकर ले जाने का प्रयास किया। उनकी इस हिम्मत से हैरान पुलिस बल ने सभी पर बल प्रयोग कर लल्ला को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया। इसके बाद सभी आरोपियों और उनसे संबंधित सभी वाहनों को कब्जे में लेकर पुलिस वापस थाना आई और समाचार भेजे जाने तक सभी के विरुद्ध विधिवत अपराध दर्ज कर कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

आरोपी लल्ला के खिलाफ 13 आपराधिक मामले हैं दर्ज

बता दें कि आरोपी लल्ला सोनवानी आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध वर्ष 2010 से अब तक 13 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। प्रकरण भारतीय दंड विधान, आबकारी एक्ट, जुआ-सट्टा एक्ट, नारकोटिक्स एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध किए जाकर विभिन्न न्यायालयों में अभियोग पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। इसके अलावा प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के 11 प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया गया तथा बाउंड ओवर कराकर न्यायालय से समय-समय पर प्रतिबंधित कराया गया है।

‘बोफोर्स घोटाले’ का अंतिम चैप्टर भी क्लोज

40 साल पुराने केस की आखिरी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली,7 अगस्त। भारतीय राजनीति इतिहास सबसे चर्चित घोटालों में एक बोफोर्स घोटाला केस अब हमेशा के लिए बंद हो गया है। 4 दशक यानी 40 साल पुराने केस की आखिरी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। इसी के साथ ही बोफोर्स घोटाले' का अंतिम चैप्टर भी क्लोज हो गया है। जस्टिस

जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने वकील अजय के. अग्रवाल की उस अपील पर आगे सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें 2005 के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने उस फैसले में हिंदुजा बंधुओं और स्वीडिश हथियार निर्माता एबी बोफोर्स के खिलाफ सभी आपराधिक कार्यवाहियों को रद्द कर दिया था।

बेंच ने कहा कि वह 2018 से लंबित मामले को सिर्फ इस सवाल पर टालने के पक्ष में नहीं है। देश के शीर्ष न्यायालय ने कहा कि जांच एजेंसी ने भी अपनी चैलेंजिग पीटिशन खारिज होने के बाद अपील नहीं की तो, किसी अन्य की व्यक्तिगत अपील कैसे बनी रह सरती है। इसे भी खारिज किया जाता है। इसे टालने की जरूरत नहीं है। हिंदुजा ब्रदर्स में दो भाइयों श्रीचंद पी हिंदुजा और गोपीचंद पी हिंदुजा का निधन काफी पहले हो चुका है। मामले में प्रतिवादियों में प्रकाश पी हिंदुजा शामिल थे। प्रकाश इन दिनों यूरोप में हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन हैं। 24 मार्च 1986 को भारत सरकार ने स्वीडन की हथियार निर्माता कंपनी Bofors AB से 155 मिमी FH-77B हॉवित्जर तोपें खरीदी थीं। यह डील लगभग 1437 करोड़ रुपये में हुई थी। इस डील के तहत भारतीय सेना को 410 आधुनिक तोपें मिलनी थीं। उस समय इसे भारतीय सेना के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम माना गया। साल 1987 में स्वीडन के एक रेडियो ने दावा किया कि इस सौदे के बदले भारतीय नेताओं और रक्षा अधिकारियों को घूस दी गई थीष इसके बाद यह मामला देश का एक बड़ा राजनीतिक विवाद बन गया था।

16 अप्रैल 1987 को स्वीडिश रेडियो के खुलासे ने भारत में राजनीतिक भूचाल ला दिया।

विपक्ष ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर आरोप लगाए कि उनकी सरकार ने पूरे मामले को छिपाने की कोशिश की। हालांकि राजीव गांधी ने संसद और सार्वजनिक मंचों पर रिश्वत लेने के आरोपों से साफ इनकार किया। जांच के दौरान कई भारतीय और विदेशी नागरिकों के नाम सामने आए। इनमें इतालवी कारोबारी ओत्तावियो क्वात्रोच्ची, हथियार एजेंट विन चड्ढा, कारोबारी हिंदुजा ब्रदर्स और कुछ अन्य बिचौलियों के नाम प्रमुख रहे।

जनवरी 1990 में सीबीआई ने मामला दर्ज किया और पूर्व बोफोर्स अध्यक्ष मार्टिन आर्डबो, कथित बिचौलिये विन चड्ढा, हिंदुजा बंधुओं और बाद में इतालवी कारोबारी ओत्तावियो क्वात्रोच्ची समेत कई लोगों के खिलाफ जांच शुरू की थी। समय के साथ कई आरोपी या तो बरी हो गए या उनका निधन हो गया। 2011 में क्वात्रोच्ची को भी अदालत ने राहत दे दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम अपील खारिज कर दी है। इसी के साथ ही ‘बोफोर्स घोटाले’ का अंतिम चैप्टर भी क्लोज हो गया है।

स्कूल में ताला जड़कर धरने पर बैठे ग्रामीण

बच्चों की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल बनाने की मांग

कांकेर,7 अगस्त। जिले के लारगांव मरकाटोला स्कूल में बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है।

स्कूल में बाउंड्रीवाल नहीं होने और जंगली जानवरों के लगातार मंडराते खतरे के विरोध में ग्रामीणों ने स्कूल में ताला जड़ दिया है और स्कूल के सामने धरने पर बैठ गए हैं। ग्रामीणों के इस कड़े कदम के पीछे महज दो दिन पहले हुई एक दर्दनाक घटना है। गांव में भालू के अचानक हुए हमले में दो भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम और भारी दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक मांग पूरी नहीं होगी तब तक धरने पर बैठे रहेंगे। उन्होंने स्कूल में बाउंड्रीवॉल, चार फॉरेस्ट बिड गार्ड और अभी भी पहाड़ी में मौजूद अन्य भालू का रेस्क्यू करने की मांग की है। बताया जा रहा है कि बीती रात भी गांव में भालू पहुंचा था और एक घर में घुसकर तोड़फोड़ मचाया है।

लुधियाना कांग्रेस कार्यक्रम में फिर हंगामा भूपेश बघेल के खिलाफ नारेबाजी

लुधियाना,7 अगस्त। लुधियाना में कांग्रेस के प्रोग्राम के दौरान एक बार फिर से हंगामा होने की खबर सामने आई है. यहां मामला तब बिगड़ते नजर आय जब पंजाब कांग्रेस इंचार्ज भूपेश बघेल के खिलाफ नारे लगाए गए. कुछ तो बघेल की जनरल डायर वाली फोटो और बघेल गो बैक नारे वाली टी-शर्ट भी पहनकर पहुंचे थे. जिसके बाद राजा वड़िंग भड़क गए और उन्होंने नारेबाजी करने वालों को बाहर जाने के लिए कह दिया. इस पूरे मामले में वडिंग का अलग रवैया देखने को मिला. कार्यक्रम में लगातार नारेबाजी होती देख राजा वड़िंग भड़क गए. उन्होंने RSS के चमचे बताकर नारेबाजी करते हुए बाहर जाने के लिए कहा. इसके साथ ही आशू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो पूरी कांग्रेस को लुधियाना में जेब में लेकर चलते थे, उन्होंने छह की छह सीटें हरा दी. वही मेयर लगाते थे, वही चेयरमैन लगाते थे. उन्होंने बताया कि आज की पूरी रिपोर्ट हाईकमान को भेजी जाएगी. दरअसल कांग्रेस के प्रोग्राम के दौरान मच से पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस ने चूड़िया पहनने का इशारा किया गया. इसे देखकर वहां पर मौजूद चन्नी समर्थक भड़क गए और उन्होंने नारेबाजी करनी शुरू कर दी. इसके बाद वहां पर पूर्व मंत्री भारत भूषण आशू के समर्थन में भी काफी जोरों में नारेबाजी होनी शुरू हो गई.

राहुल गांधी के घर के बाहर साधु-संतों का प्रदर्शन

नई दिल्ली,7 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दिल्ली स्थित आवास के बाहर शुक्रवार को उस समय हलचल बढ़ गई, जब साधु-संतों समेत कई लोग विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ नाराजगी जताते हुए नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। पुलिस ने राहुल गांधी के आवास के बाहर जुटे प्रदर्शनकारियों को हटाने की कार्रवाई शुरू की और साधु-संतों सहित कई लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारियों के अचानक पहुंचने के बाद पुलिस ने एहतियातन राहुल गांधी के आवास और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों की मांगों और विरोध के मुख्य कारणों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रदर्शन किस मुद्दे को लेकर किया जा रहा था। हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों में से एक ने कांग्रेस पार्टी के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, “मैं कांग्रेस पार्टी को कोसती हूं। हमने 56 साल तक इस पार्टी के लिए अपना खून-पसीना बहाया और अब यह हमें बाहर निकाल रही है। राहुल गांधी, आपको शर्म आनी चाहिए।”**पप्पू यादव के प्रदर्शन से जोड़ा जा रहा राहुल गांधी आवास के बाहर हुआ विरोध-** राहुल गांधी के दिल्ली स्थित आवास के बाहर साधु-संतों के वेश में हुए प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक हलकों में विभिन्न तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस विरोध प्रदर्शन को कुछ लोग हाल ही में संसद परिसर में हुए उस प्रदर्शन से जोड़कर देख रहे हैं, जिसमें बिहार के सांसद पप्पू यादव साधु-संतों का वेश धारण कर पहुंचे थे। दरअसल, कुछ दिन पहले पप्पू यादव ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया था। उस दौरान उन्होंने साधु-संतों का वेश धारण किया था और उनके साथ विपक्ष के कई नेता भी मौजूद थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी उस प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसी पृष्ठभूमि में राहुल गांधी के आवास के बाहर शुक्रवार को साधु-संतों के वेश में पहुंचे प्रदर्शनकारियों की कार्रवाई को उस घटनाक्रम की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवे परिसर,कालोनियों में सुरक्षा के लिए जीआरपी ने चेकिंग अभियान चलाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 अगस्त। भिलाई रेलवे परिसरों और नजदीकी कॉलोनियों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने तड़के विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया अचानक बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी से इलाके में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान पुलिस ने घर-घर पहुंचकर बाहरी जिलों और राज्यों से आकर किराए पर रहने वाले लोगों की पहचान और दस्तावेजों की जांच-पड़ताल की पुलिस अधिकारियों ने रहवासियों से मूल निवास एवं पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे विशेष रूप से आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों का सत्यापन किया गया जांच के दौरान संदिग्ध पाए गए व्यक्तियों की जानकारी जुटाई गई तथा आवश्यक पूछताछ भी की गई अभियान का मुख्य उद्देश्य किराए के मकानों में रह रहे बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित करना और असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर नजर रखना था अवैधानिक गतिविधियों के लिए चिन्हित रहा है इलाका जीआरपी के अनुसार भिलाई तीन क्षेत्र का स्टोर पारा और आसपास का इलाका अवैध कारोबार तथा असामाजिक गतिविधियों को लेकर पहले भी सुर्खियों में रहा है यहां बाहरी लोगों के आकर रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचनाएं समय-समय पर पुलिस को मिलती रही हैं। आपसी विवाद के चलते मारपीट और गंभीर घटनाएं भी सामने आती रही हैं। रेलवे की जमीन से जुड़े हिस्सों की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी जीआरपी संभालती है आगे भी जारी रहेगा अभियान जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ट्रैक और स्टेशन से सटे इलाकों में अवैध व असामाजिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए अचानक चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा भिलाई तीन जीआरपी राजेंद्र सिंह ने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें अभियान के दौरान जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस जवान और संबंधित चौकी प्रभारी मौजूद रहे पुलिस जवानों ने पूरे क्षेत्र की पैदल गश्त कर एक-एक गली और संदिग्ध ठिकानों की जांच की अधिकारियों ने मकान मालिकों को भी किराएदारों का अनिवार्य रूप से सत्यापन कराने और बिना पुलिस सत्यापन के किसी व्यक्ति को मकान किराए पर नहीं देने की हिदायत दी

प्रहलाद वर्मा को प्रभारी बनाए जाने पर हर्ष

उतई, 7 अगस्त। प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा प्रहलाद वर्मा पूर्व पार्षद निष्ठावान एवं कर्मठ कार्यकर्ता को नगर कांग्रेस कमेटी उतई का प्रभारी नियुक्त किये जाने पर नगर में खुशी की लहर है कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वर्मा जी को मिठाई और फटाखे फोड़ कर खुशी जाहिर कर बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की।वर्मा ने सभी कांग्रेस जनो एवं पदाधिकारियों का आभार प्रगट किया।

एक नजर

फर्जी सिम,महिला गिरफ्तार

भिलाई, 7 अगस्त (तछसं.)। भिलाई प्रार्थी के आधार कार्ड, लाइव फोटो एवं बायोमेट्रिक का दुरुपयोग कर उसकी जानकारी के बिना फर्जी तरीके से सिम जारी करने के मामले में अपराध दर्ज कर भिलाई नगर थाने पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है भिलाई नगर टीआई जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्रार्थी की शिकायत पर उसके आधार कार्ड, लाइव फोटो एवं बायोमेट्रिक का दुरुपयोग कर उसकी जानकारी एवं सहमति के बिना उसके नाम से एयरटेल सिम जारी कर अन्य व्यक्ति को उपयोग के लिए उपलब्ध कराने के संबंध में धारा 419, 420 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया शिकायत के अनुसार प्रार्थी ने नया सिम प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज एवं बायोमेट्रिक उपलब्ध कराया गया था सिम विक्रेता द्वारा तकनीकी समस्या का हवाला देते हुए सिम जारी नहीं किए जाने की बात कही गई। बाद में साइबर जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रार्थी के नाम से एयरटेल सिम जारी कर अन्य व्यक्ति उपयोग कर रहा था प्रकरण की विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर फर्जी तरीके से सिम जारी कर धोखाधड़ी करने में संलिप्त आरोपी महिला निशा सैंड (22 साल) निवासी खुर्सीपार को चिन्हित कर गिरफ्तार किया है।

अपहरण,डकैती का फरार आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 7 अगस्त (तछसं.)। भिलाई अपहरण एवं डकैती के गंभीर प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को सुपेला थाने पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है सुपेला टीआई एस एन सिंह ने बताया कि प्रार्थी करण कुमार कुर्रे निवासी जिला बालोद ने थाना डौंडी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 2 जुलाई की रात अपने परिचित दिव्य बदी के साथ मोटरसाइकिल एवं एक्टिवा से भिलाई-03 जा रहे थे गदा चौक सुपेला के पास कुछ युवकों ने सहायता करने के बहाने दोनों को रोक लिया तथा जबरन अपने साथ सेक्टर-06 स्थित साईं मंदिर के पीछे खंडहर क्वार्टर में ले जाकर मारपीट एवं धमकी दी आरोपियों ने पीड़ितों से चांदी की अंगूठियां, ब्रेसलेट, नगदी, मोबाइल फोन लूट लिए तथा मोबाइल के माध्यम से डरा -धमकाकर ऑनलाइन राशि भी अपने परिचित के खाते में ट्रांसफर कराई। इसके पश्चात आरोपियों ने पीड़ितों को अलग स्थान पर छोड़कर उनकी एक्टिवा अपने साथ ले गए तथा लूटी गई संपत्ति आपस में बांट ली प्रकरण में धारा 140, 310(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की विवेचना के दौरान पूर्व में अन्य आरोपियों एवं एक नाबालिग को गिरफ्तार कर घटना से संबंधित सामग्री जब्त की जा चुकी थी। प्रकरण के शेष फरार आरोपी सिद्धार्थ उर्फ सिद्धू देवदास (19 साल) निवासी शिवाजी चौक चरोदा को बुधवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की पूछताछ में आरोपी ने लूटे गए रियलमी मोबाइल को बेचने के उद्देश्य से अन्य आरोपी को देना तथा लूट की राशि में मिले रुपये खर्च कर देना स्वीकार किया।

नशे की दवाएं बेचने वाले नाबालिग पर कार्रवाई

भिलाई, 7 अगस्त (तछसं.)। भिलाई कॉलेज क्षेत्र के आसपास युवाओं को नशीली दवाएं बेचने की सूचना पर खुर्सीपार थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अपचारी बालकों को अभिरक्षा में लिया है उनके कब्जे से करीब 2.40 लाख रुपए मूल्य की 600 नशीली टेबलेट बरामद की गई हैं मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर दोनों को किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया खुर्सीपार टीआई लक्ष्मण केवट ने बताया कि आईटीआई खेल मैदान के पास पेड़ के नीचे दो युवक अवैध रूप से नशीली टेबलेट बेच रहे हैं सूचना मिलते ही थाना खुर्सीपार थाने पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर मौके की घेराबंदी की पुलिस को देखते ही दोनों संदिग्ध भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 600 नशीली टेबलेट बरामद हुईं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2,40,000 रुपए बताई गई है। जब्ती की पूरी कार्रवाई स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई। पूछताछ में दोनों अपचारी बालकों ने नशीली टेबलेट की अवैध बिक्री करना स्वीकार किया इसके बाद थाना खुर्सीपार में एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीली टेबलेट कहां से लाई गई थीं और इनके पीछे कौन-सा सप्लाई नेटवर्क सक्रिय है साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कॉलेज और स्कूल क्षेत्रों में इस नेटवर्क के अन्य सदस्य तो सक्रिय नहीं हैं ।

कार्यस्थल पर उत्पीड़न संबंधी शिकायतें पुरुष भी कर सकते हैं, कार्यशाला में दी जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रिसाली,7 अगस्त। नगर पालिक निगम रिसाली में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित आंतरिक परिवाद समिति (आईसीसी) को लेकर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन निगम सभागार में किया गया। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला में मेरी भागीदारी संस्था की निशा देशमुख एवं अमोल मालुसरे ने समिति की कार्यप्रणाली, अधिकारों तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। निशा देशमुख ने बताया कि कार्यस्थल पर महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी है तथा सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सभी का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कई बार पीड़ित व्यक्ति सामाजिक संकोच या पहचान उजागर होने के भय से शिकायत दर्ज नहीं करा पाते, जबकि आंतरिक परिवाद समिति में प्राप्त शिकायतें और उनकी सुनवाई पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि कार्यस्थल पर उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें पुरुष कर्मचारी भी समिति के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि किसी घटना की जानकारी सामने आती है, तो समिति आवश्यक होने पर स्वतः संज्ञान लेकर भी मामले की सुनवाई कर सकती है। पीड़ित पक्ष की ओर से कोई अन्य व्यक्ति भी शिकायत दर्ज करा सकता है, बशर्ते उसके समर्थन में पर्याप्त तथ्य और प्रमाण उपलब्ध हों।प्रशिक्षकों ने बताया कि शिकायत सही पाए जाने पर समिति नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा कर सकती है। इसमें सेवा से बर्खास्तगी, वेतनवृद्धि पर रोक सहित अन्य दंडात्मक प्रावधान शामिल हैं। समिति की अनुशंसा के आधार पर नियोजक द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाती है। कार्यशाला में निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेहरू आर्ट गैलरी में हिमांशु वर्मा की एकल छायाचित्र प्रदर्शनी शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 अगस्त। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर में युवा छायाकार हिमांशु वर्मा की तीन दिवसीय एकल छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक उन्मेश भारद्वाज ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए उन्मेश भारद्वाज ने हिमांशु वर्मा के छायाचित्रों की सराहना की और कहा कि छायाचित्र केवल क्षणों को सहेजते ही नहींए बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति संवेदनाओं को भी अभिव्यक्त करते हैं। अपनी मिनिमलिस्ट शैली के लिए पहचाने जाने वाले हिमांशु वर्मा ने प्रदर्शनी में प्रकृति और दैनिक जीवन के सहज लेकिन अर्थपूर्ण क्षणों को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया है। उद्घाटन अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क अमूल्य प्रियदर्शी, उप महाप्रबंधक अपर्णा चन्द्रा सहित संयंत्र के अधिकारीए कलाकार और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी 8 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 5रू30 से रात 8.30 बजे तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

जुलाई में बीएसपी ने रचा उत्पादन का नया कीर्तिमान

भिलाई, 7 अगस्त। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने जुलाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई उत्पादन इकाइयों में नए मासिक रिकॉर्ड स्थापित किए। सिंटर प्लांट ने 7.88 लाख टन सिंटर उत्पादन कर जुलाई का नया कीर्तिमान बनाया, जबकि सिंटर प्लांट-3 ने 5.38 लाख टन उत्पादन दर्ज किया। ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 2.60 लाख टन हॉट मेटल उत्पादन के साथ 2.46 टन प्रति घन मीटर प्रतिदिन की रिकॉर्ड उत्पादकता हासिल की। वहीं स्टील मेल्टिंग शॉप-3 ने 1.29 लाख टन ब्लूम एवं 3.38 लाख टन कास्ट स्टील उत्पादन कर नए रिकॉर्ड बनाए। संयंत्र का कुल हॉट मेटल उत्पादन 5.44 लाख टन, क्रूड स्टील उत्पादन 5.17 लाख टन तथा सेलेबल स्टील उत्पादन 4.83 लाख टन रहा।

जवाहर मार्केट व्यापारी संघ ने की मवेशियों को पकड़ने की मांग

भिलाई, 7 अगस्त। जवाहर मार्केट व्यापारी संघ, कैम्प-2 के अध्यक्ष मांगीलाल सोनी मार्केट क्षेत्र में नियमित रूप से काऊ कैचर की व्यवस्था करने एवं अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की है। सोनी के साथ ही अन्य व्यापारियों ने बताया कि जवाहर मार्केट शहर के सबसे व्यस्ततम व्यावसायिक क्षेत्रों में से एक है। बाजार में बड़ी संख्या में आवारा मवेशियों के विचरण से आए दिन यातायात बाधित होता है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं, सड़क एवं मार्गों पर बढ़ते अवैध अतिक्रमण के कारण व्यापारियों और ग्राहकों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी संघ ने आयुक्त से मांग की है कि बाजार क्षेत्र में नियमित काऊ कैचर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, जिससे बाजार में यातायात सुचारु हो सके और आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारियों को भी राहत मिल सके। संघ के अध्यक्ष मांगीलाल सोनी नगर निगम से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा व्यक्त की।

सोलर पंप,केबल की चोरी

भिलाई, 7 अगस्त। भिलाई ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित चारागाह में पशुधन की सुविधा के लिए एवं वृक्षारोपण कार्य के लिए शासकीय मद से लगाए गए सोलर पंप व केबल वायर की अज्ञात आरोपी ने चोरी कर ली प्रार्थी की शिकायत पर उतई पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303 (2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच कर रही है उतई पुलिस ने बताया कि प्रार्थी विजेंद्र कुमार साहू चंद्र नगर उमरपोटी में रहता है और ग्राम पंचायत उमर पोटी का सरपंच है रात को अज्ञात आरोपी ने चारागाह में लगे 5 एचपी का सोलर पंप किर्लोस्कर कंपनी का एवं सोलर पैनल केबल लगभग 40 मीटर की चोरी कर लिया उतई थाने पुलिस जांच में जुटी हुई है।

रफी की पुण्यतिथि व किशोर कुमार जयंती पर सजी गीत-संगीत की महफिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 अगस्त। मुक्त स्वर साहित्य समिति एवं सुर-सरिता म्यूजिकल क्लब के संयुक्त तत्वावधान में मोहम्मद रफ़ी की पुण्यतिथि एवं किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर टंकी-मरोदा, उतई रोड स्थित सूरज ऑटोमोबाइल गैरेज परिसर में कवि सम्मेलन एवं गीत-संगीत संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व डीएसपी विनोद कुमार पहाड़े थे। अध्यक्षता मुक्त स्वर साहित्य समिति के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार गोविंद पाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामसेवक वर्मा, पुलिस अधीक्षक (सीआईडी), वरिष्ठ समाजसेवी उजियार सिंह पवार सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं वंदना से हुआ। वंदना गीत रंजीत मंडल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शीश लता शालू ने किया। इस अवसर पर नरेन्द्र कुमार सिक्केवाल, शंकर भट्टाचार्य, संतोष जाटव जालौनी, संत कवि ओमकार दास, डॉ. शीतल चन्द्र शर्मा, वासुदेव भट्टाचार्य, अरविन्द गुप्ता, सुधीर अवधिया, ओमवीर करन, प्रवीर सेनगुप्ता, कमल नारायण शर्मा, तिलक प्रसाद, सुनील बोरकर, दुकलु यादव, अनिल पांडे, विनोद वर्मा, शिल्पी मंडल, मधु बघेल, राजेन्द्र गुप्ता, अजय राय, ध्रुव मजुमदार, आकांक्षा तिवारी, निशा गुप्ता, देवशीश बिश्वास, तपन कुमार नाथ, अंशुमन दासगुप्ता, वीरेन्द्र गुप्ता, मंजू गुप्ता, गजराज दास महंत, संदीप बिश्वास, अरुण कुमार सिंह, विजय शंकर पांडे तथा जीवनंदन वर्मा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार, कलाकार एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

विद्युत सुरक्षा कार्यशाला में सुरक्षा मानकों के पालन पर दिया जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत छावनी जोन में कार्यरत मैदानी विद्युत कर्मियों के लिए एक दिवसीय विद्युत सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के साथ अधिकारियों ने जोन का निरीक्षण भी किया तथा कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस. मनोज ने तकनीकी एवं ठेका कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए लाइन मेंटेनेंस कार्य करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्युत सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों का पालन कर ही विद्युत दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। अधिकांश हादसे छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण होते हैं, इसलिए सुरक्षा उपकरणों का पूर्ण उपयोग करते हुए सतर्कता के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कर्मचारियों को उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शनों की अर्थिंग की नियमित जांच करने और इसके प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए। कार्यपालन अभियंता नगर संभाग भिलाई पूर्व टी.एन. बन्छोर एवं अनसुईया ठाकुर ने कर्मचारियों को सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर और डिस्चार्ज रॉड जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा उनकी नियमित जांच कर खराब होने पर तत्काल बदलने की सलाह दी। कार्यशाला में सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता दीक्षांत चुरेन्द्र, आर. साहू, कनिष्ठ अभियंता श्रेया अग्रवाल, दीप्ति चन्द्राकर सहित छावनी जोन के समस्त तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

फुटपाथ पर अवैध कारोबार के खिलाफ निगम का अभियान

भिलाई, 7 अगस्त। नगर निगम ने शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और आम नागरिकों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने के उद्देश्य से सड़क एवं फुटपाथ पर अवैध रूप से व्यापार करने वालों के खिलाफ बेदखली अभियान तेज कर दिया है। त्योहारी सीजन को देखते हुए कई स्थानों पर सड़क और फुटपाथ पर कपड़ों सहित अन्य दुकानों के अवैध संचालन से यातायात प्रभावित हो रहा था। इसे ध्यान में रखते हुए गुरुवार को निगम के जोन-3 राजस्व विभाग एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान सड़क पर फैला सामान हटवाया गया तथा व्यापारियों को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर दुकान नहीं लगाने की सख्त चेतावनी दी गई। निगम प्रशासन ने कहा कि सड़क एवं फुटपाथ पर अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है, दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है तथा आम नागरिकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए ऐसे मामलों में नियमित रूप से कार्रवाई जारी रहेगी। नगर निगम ने व्यापारियों से निर्धारित स्थानों पर ही व्यवसाय संचालित करने और सड़क व फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त रखने में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी है कि भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर दोबारा अवैध रूप से दुकान लगाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने 13 म्यूल खाताधारक किए गिरफ्तार

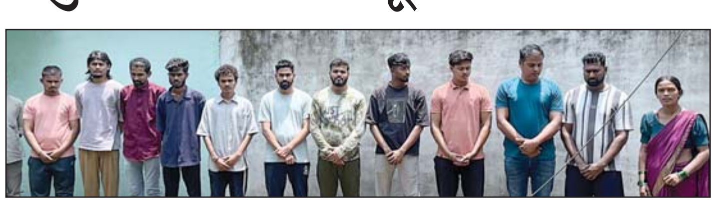

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 अगस्त। दो थानों की पुलिस व एसीसीयू की संयुक्त टीमों मे साइबर ठगी में म्यूल अकाउंट नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए साइबर ठगी में उपयोग किए जा रहे 13 म्यूल बैंक खाताधारक को गिरफ्तार किया है। इसमें लगभग 10 लाख रुपये के संदिग्ध साइबर ट्रांजेक्शन का खुलासा हुआ। आरोपी कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराकर अवैध धनराशि के अंतरण - में सहयोग कर रहे थे पुलिस ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर अपराधों एवं म्यूल बैंक खाताधारकों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत दुर्ग पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना सुपेला, थाना खुर्सीपार एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने कुल 13 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी अपने स्वयं के तथा अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि के लेनदेन एवं अंतरण के लिए कर रहे थे आरोपी कमीशन प्राप्त करने के उद्देश्य से एजेंटों के माध्यम से बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं मोबाइल सिम कार्ड साइबर इन खाताधारकों को किया गिरफ्तार इस मामले में डी. श्रीनिवास राव (32 साल?) निवासी सेक्टर-02, मनीष सिंह मट्टू (36 साल) निवासी सेक्टर-02, जितेन्द्र साहू (37 साल) निवासी करहीडीह दुर्ग, यश यादव (20 साल) निवासी गिरधारी नगर दुर्ग, मयंक पटेल (25 साल) निवासी शंकर नगर दुर्ग, रोशन सारथी (24 साल) निवासी बजरंग नगर दुर्ग, तुषार कसरे (22 साल) निवासी शंकर नगर दुर्ग, प्रवीण कुमार (21 साल) निवासी समोदा जेवरा सिरसा, प्रवीण कुशवाहा (25 साल) निवासी शंकर नगर वार्ड क्रमांक-10, अजय बंसोड़ (44 साल) निवासी बीड़ी कॉलोनी उरला, संगीत साहू (28 साल) निवासी शंकर नगर हरना बांधा दुर्ग, उभय यादव (20 साल) निवासी नेहरू भवन के पीछे सुपेला व डीलेश मरकाम निवासी सिकोला बस्ती दुर्ग पर कार्रवाई की है अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। जिनका उपयोग ठगी की राशि को विभिन्न खातों के माध्यम से स्थानांतरित एवं छिपाने में किया जाता था। जांच में यह भी ज्ञात हुआ कि संबंधित खाताधारकों ने दो हजार से 15 हजार तक के कमीशन के बदले अपने बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज एवं सिम कार्ड अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए गए थे। तकनीकी विश्लेषण एवं बैंक रिकॉर्ड के परीक्षण में इन खातों में लगभग 10 लाख रुपये के संदिग्ध साइबर ट्रांजेक्शन पाए गए। प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर थाना सुपेला क्षेत्र में बंधन बैंक के 09 खाताधारकों तथा थाना खुर्सीपार क्षेत्र में इंडियन बैंक के 04 खाताधारकों के विरुद्ध कार्रवाई कर की है।

हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 7 अगस्त। भिलाई जामुल थाना पुलिस ने ओखरा रोड स्थित भीष्म गायकवाड़ हत्या के मामले में आरोपी लोचन चतुर्वेदी उर्फ अरविंद को गिरफ्तार किया है जामुल थाने पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर धारदार हथियार को जब्त कर कार्रवाई की जामुल टीआई राकेश खुटेश्वर ने बताया कि 4 अगस्त को मोतीराम गायकवाड़ ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका पुत्र भीष्म गायकवाड़ सुबह लगभग 9 बजे टिफिन लेकर रायपुर जाने के लिए निकला था। लगभग 10.30 बजे सूचना मिली कि ओखरा रोड स्थित बरगद पेड़ के पास गांव के अरविंद उर्फ लोचन चतुर्वेदी द्वारा विवाद के दौरान भीष्म गायकवाड़ पर धारदार हथियार से हमला किया गया है।

हत्या,लूट की गुत्थी सुलझाई

दुर्ग, 7 अगस्त। दुर्ग-धमधा मार्ग पर देर रात हुई अंधी हत्या और लूट की वारदात को दुर्ग पुलिस ने सीसीटीवी व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 48 घंटे में सुलझा लिया दुर्ग सीएसपी हर्षित मेहर ने जेवरा सिरसा और चिखली क्षेत्र के जागरूक नागरिकों को कार्यालय में पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किये पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 2 बजे हुई।

कबीरधाम पुलिस ने वृद्ध महिलाओं के गले से सोने के आभूषण छीनने वाले गिरोह को पकड़ा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 7 अगस्त। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम श्री जितेंद्र कुमार यादव (आई.पी.एस.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित पटेल के मार्गदर्शन, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री आशीष शुक्ला तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोडला श्री अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में सायबर थाना एवम थाना पिपरिया पुलिस द्वारा वृद्ध महिलाओं के गले से सोने-चांदी के आभूषण छीनने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने एवं चोरी किये गए सामान की बरामदगी में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है।

जिला कवर्धा में पिछले दो महीने से वृद्ध महिलाओं को अकेला पाकर उनके गले में पहने सोने चांदी की आभूषणों को झपटमारी कर लेने की घटनाएं सामने आई थी। जिस पर थाना पिपरिया में अपराध क्रमांक 144/2026 एवं 215/2026, थाना पांडातराई में अपराध क्रमांक 74/26 और चौकी पौड़ी में अपराध क्रमांक 178/25, 97/26 धारा 304 एवं 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद कर विवेचना की जा रही थी। विवेचना क्रम में तकनीकी साक्ष्यो के आधार पर तीन मुख्य आरोपी क्रमशः नैनदास बंजारे, मनोज जांगड़े एवम राधेलाल चतुर्वेदी एवं इसके अलावा 03 आरोपी क्रमशः नीतीश बंशे, खेलन डहरिया, बबला डहरिया जो माल खपाने का कार्य करते थे।

मंत्री टंकराम वर्मा ने बहेसर को दी 2.87 करोड़ की सौगात, लोकार्पण के साथ की 17 लाख की नई घोषणाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 7 अगस्त। बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जिला रायपुर के तिल्दा नेवरा मंडल के ग्राम बहेसर में बुधवार को विकास और उल्लास का माहौल देखने को मिला। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री माननीय श्री टंकराम वर्मा ने ग्राम पंचायत बहेसर के माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम स्थल पर मंत्री जी का भव्य स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य से हुई जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम में मंत्री टंकराम वर्मा ने बलौदाबाजार विधानसभा के बहेसर क्षेत्र के लिए कुल 2 करोड़ 70 लाख 50 हजार रुपये की लागत से निर्मित 5 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें सबसे बड़ी सौगात बहेसर से तुलसी मार्ग रही। 1.525 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण 2.53 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इस सड़क के बन जाने से क्षेत्र के किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और कृषि उपज को बाजार तक पहुंचाने में भी सुविधा होगी।

इसके साथ ही ग्राम के मुक्तिधाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 10 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड, शासकीय प्राथमिक शाला बहेसर में छात्र-छात्राओं की स्वच्छता के लिए 2.50 लाख रुपये की लागत से नए शौचालय और बाजार चौक बहेसर में व्यापारियों व आमजन को धूप-बारिश से बचाव के लिए 5 लाख रुपये की लागत से आधुनिक शेड का लोकार्पण भी किया गया।

शिक्षा और सांस्कृतिक विकास के लिए 17 लाख की नई घोषणा: जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में उन्होंने तुलसी-बहेसर क्षेत्र के लिए 17 लाख रुपये से अधिक की नई घोषणाएं भी कीं। इनमें बहेसर हाई स्कूल में छात्रों की सुविधा के लिए 5 लाख रुपये की लागत से सायकल स्टैंड शेड, प्रायमरी स्कूल में पढ़ाई के बेहतर माहौल के लिए 2 अतिरिक्त कक्ष, मिडिल स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए 7 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक शौचालय और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए गांव में 5 लाख रुपये की लागत से रंग मंच का निर्माण शामिल है। मंत्री जी ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करना सबसे जरूरी है। संकल्प से ही व्यक्ति महान बनता है। अगर मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करेंगे तो आप न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। साथ ही उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम को सांसद प्रतिनिधि एवं भाजपा रायपुर जिला के पूर्व महामंत्री अनिल अग्रवाल जी ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह भाजपा सरकार विकास और मोदी की गारंटी की सरकार है। महिलाएं हों या स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे, मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा लगातार अंचल को विकास की सौगात दी जा रही है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

एक नजर

आरईएस के एसडीओ के विरुद्ध जांच के लिए टीम गठित

बलौदाबाजार, 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उप संभाग कसडोल के प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी दयानन्द कोसले के द्वारा बिना स्थल निरीक्षण किये निर्माण कार्यों का मूल्यांकन एवं सत्यापन किये जाने की जांच हेतु पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख अभियंता के निर्देशानुसार आरईएसके के कार्यपालन अभियंता द्वारा जांच समिति गठित कर दी गई है। जांच समिति में लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग एवं पीएमज़ीएस वाय के कार्यपालन अभियंता शामिल है।जांच दल शिकायतकर्ता के समक्ष शिकायत में उल्लेखित समस्त निर्माण कार्यों के सत्यापन की जांच कर 7 दिवस में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

सभी शासकीय व गैर सरकारी संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन जरूरी,उल्लंघन पर जुर्माना

बलौदाबाजार,7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ऐसे सभी शासकीय,अर्धशासकीय एवं एवं प्राईवेट संस्थानों में जहां महिला कार्यरत हो अथवा नहीं हो सभी संस्थाओं में महिलाओं को सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण कार्यस्थल प्रदान करने तथा कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाए जाने के लिए महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितीय) अधिनियम 2013 की धारा 4 अनुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन कर भारत सरकार द्वारा सृजित शी -बॉक्स पोर्टल में ऑनबोर्ड किया जाना अनिवार्य है। उल्लंघन करने पर जुर्माना भी लगेगा। उच्चतम न्यायालय के प्रकरण तथा राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली द्वारा लगातार सभी शासकीय,अर्धशासकीय एवं प्राईवेट संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति के गठन वहां प्राप्त प्रकरण तथा उसका निराकरण, वार्षिक रिर्पोट तथा कराये जाने एवं शी -बॉक्स पोर्टल में ऑनबोर्ड किये जाने के लिए निर्देश दिये है। किसी भी शासकीय,अर्धशासकीय एवं प्राईवेट संस्थानो अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं किये जाने की स्थिति में अधिनियम की धारा 26 अनुसार 50000 रूपये जुर्माना का भी प्रावधान है।

वीबी -ज़ी.राम जी अंतर्गत जिले की 476 ग्राम पंचायतों में 555 कार्य स्वीकृत

बलौदाबाजार, 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विकसित भारतङ्क रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी- जी राम जी के अंतर्गत जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में ग्रामीण विकास एवं रोजगार सृजन की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। जिले की कुल 519 ग्राम पंचायतों में से 476 ग्राम पंचायतों के लिए 555 विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजनांतर्गत जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों में श्रमिकों की मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसरों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। स्वीकृत कार्यों में जल सुरक्षा, जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक मूलभूत अधोसंरचना के निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। विकासखंडवार बलौदाबाजार की 104 ग्राम पंचायतों में 139 कार्य, भाटापारा की 85 ग्राम पंचायतों में 105 कार्य, कसडोल की 111 ग्राम पंचायतों में 135 कार्य, पलारी की 72 ग्राम पंचायतों में 72 कार्य तथा सिमगा की सभी 104 ग्राम पंचायतों में 104 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। शेष 43 ग्राम पंचायतों में भी कार्य स्वीकृति की प्रक्रिया प्राथमिकता के साथ पूर्ण की जा रही है। जिला प्रशासन का उद्देश्य मांग करने वाले प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को समयबद्ध रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ग्राम पंचायतों को जल-सुरक्षित, आत्मनिर्भर एवं आधारभूत सुविधाओं से सशक्त बनाना है।

ब्यूटी पार्लर की छात्रा से छेड़छाड़ व उसका पीछा करने वाला गिरफ्तार

बलौदाबाजार 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों पर त्वरित व सख्त कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस को सफ्लता मिली है। ब्यूटी पार्लर में कोर्स सीख रही 19 वर्षीय युवती के साथ बुरी नीयत से छेड़छाड़ करने तथा उसका पीछा कर मानसिक रूप से परेशान करने वाले आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना का विवरण- थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक ब्यूटी एंड सैलून में पार्लर का कोर्स सीख रही प्रार्थीया (उम्र 19 वर्ष) द्वारा शिकायत दर्ज कराया गया कि आरोपी अय्यूब चौहान अक्सर पार्लर में आता-जाता रहता था। दिनांक 26.06.2026 की रात्रि करीब 10:00 बजे आरोपी ने बुरी नीयत से युवती के साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकत की। इसके पश्चात भी आरोपी प्रार्थीया का लगातार पीछा करते हुए उसे रास्ते में परेशान करता रहा। त्वरित विवेचना एवं आरोपी की गिरफ्तारीः- ?युवती की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 665/2026 धारा 74,75,78 क्व्हस् के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस टीम द्वारा तत्काल पीड़िता का विस्तृत कथन लेखबद्ध किया गया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बदहाली का शिकार

वर्षों से खाली पड़े पदों ने शिक्षा व्यवस्था पर खड़े किए गंभीर सवाल

■ प्राचार्य से लेकर व्याख्याता तक के पद रिक्त, आधे से भी कम स्टाफ के भरोसे चल रहा डीएलएड प्रशिक्षण संस्थान; शासन की उदासीनता से प्रभावित हो रही शिक्षकों की गुणवत्ता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता/ उत्तम साहू

नगरी 7 अगस्त। आदिवासी विकासखंड नगरी स्थित धमतरी जिले का एकमात्र जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में (डी.एल,एड, द्विवर्षीय पाठयक्रम) पढ़ाई किया जाता है जोआज गंभीर स्टाफसंकट से जूझ रहा है। भविष्य के शिक्षकों को तैयार करने वाले इस महत्वपूर्ण संस्थान में वर्षों से शिक्षकों और कर्मचारियों के पद रिक्त पड़े हैं, लेकिन शासन और प्रशासन की ओर से अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। स्थिति ऐसी है कि जिस संस्थान से गुणवत्तापूर्ण शिक्षक तैयार होने चाहिए, वहीं आज मूलभूत मानव संसाधनों का अभाव बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार संस्थान में कुल 41 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 8 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति शिक्षण स्टाफ की है। 12 व्याख्याताओं के स्वीकृत पदों के विरुद्ध केवल 5 व्याख्याता कार्यरत हैं, जबकि 5 सहायक प्राध्यापकों के स्थान पर मात्र 1 ही उपलब्ध है। इसी तरह लेखा एवं प्रशासनिक व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित है। 9 लेखापालों के स्थान पर केवल 2 कर्मचारी कार्यरत हैं और 7 पद खाली हैं। इसके अलावा प्राचार्य और उप प्राचार्य जैसे सबसे महत्वपूर्ण पद भी लंबे समय से रिक्त हैं।

यह संस्थान धमतरी जिले का एकमात्र प्रशिक्षण केंद्र है, जहां डीएलएड (छ्.श्वद्य.श्वस्त्र.) सहित शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़े पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। ऐसे संस्थान में वर्षों से पद खाली रहना न केवल प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। सवाल यह है कि जब प्रशिक्षु शिक्षकों को ही पर्याप्त मार्गदर्शन और विषय विशेषज्ञ नहीं मिलेंगे, तो भविष्य में स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?बताया जा रहा है कि इस गंभीर समस्या की शिकायत कई बार उच्च स्तर पर की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हर वर्ष नई शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होती है, लेकिन रिक्त पदों को भरने के बजाय केवल आश्वासन ही मिलते हैं। इसका सीधा असर प्रशिक्षण की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों और शिक्षा से जुड़े जानकारों का कहना है कि यदि सरकार वास्तव में शिक्षा सुधार को लेकर गंभीर है, तो सबसे पहले ऐसे प्रशिक्षण संस्थानों को मजबूत करना होगा। केवल नई योजनाओं और घोषणाओं से शिक्षा व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर रिक्त पदों की भर्ती और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। अब बड़ा सवाल यह है कि जब जिले के सबसे महत्वपूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में ही प्राचार्य, उप प्राचार्य और अधिकांश शिक्षकों के पद खाली हैं, तो आखिर प्रदेश में शिक्षा सुधार के दावे कितने वास्तविक हैं? शासन को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति करनी चाहिए, ताकि भविष्य के शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रभावित न हो और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत आधार मिल सके।

भारत सरकार की एडीआईपी योजना के तहत तिल्दा-नेवरा नगर पालिका में दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 7 अगस्त। भारत सरकार की एडीआईपी योजना के अंतर्गत नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा परिसर में दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पार्षदगण, नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण प्रदान किए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि भारत सरकार की एडीआईपी योजना का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके दैनिक जीवन को अधिक सुगम एवं सम्मानजनक बनाना है। उन्होंने योजना का अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुँचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन पालिका अध्यक्ष श्रीमती चंद्रकला वर्मा नेदिव्यांगजनों के उज्ज्वल भविष्य एवं उनके जीवन को5 अधिक सुविधाजनक बनाने की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

तिल्दा-नेवरा में अवैध शराब पर कार्रवाई जारी लेकिन सप्लाई नेटवर्क पर भी उठ रहे सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 7 अगस्त। आबकारी विभाग रायपुर द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम ताराशिव, वार्ड क्रमांक 2 निवासी संजय वर्मा के रिहायशी मकान में दबिश देकर 51 पाव देशी मसाला शराब (9.18 बल्क लीटर) जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई सचिव आबकारी सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले, आबकारी आयुक्त पदुम सिंह एल्मा, कलेक्टर रायपुर गौरव सिंह के निर्देश तथा प्रभारी उपायुक्त आबकारी डॉ. प्रवीण वर्मा के मार्गदर्शन में की गई। प्रकरण आबकारी उपनिरीक्षक मेधा मिश्रा द्वारा पंजीबद्ध किया गया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रीति कुशवाहा, आबकारी आरक्षक जितेंद्र मिश्रा, अमिताभ ध्रुव, कृष्णकांत गढ़ेवाल, रूपाली तिवारी तथा वाहन चालक रेवाराम का विशेष योगदान रहा। हालांकि, क्षेत्र में लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों के बीच एक बड़ा सवाल भी सामने आ रहा है। आमजन का कहना है कि अवैध शराब बेचने वालों पर कार्रवाई तो की जा रही है, लेकिन उन्हें शराब उपलब्ध कराने वाले मुख्य स्रोतों और सप्लाई नेटवर्क पर अपेक्षित स्तर की सख्ती दिखाई नहीं देती। यदि अवैध शराब की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई की जाए, तो इस कारोबार पर स्थायी रूप से अंकुश लगाया जा सकता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि केवल छोटे स्तर के विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के बजाय अवैध शराब की पूरी श्रृंखला का खुलासा कर मुख्य सप्लायरों के विरुद्ध कठोर कदम उठाना आवश्यक है, ताकि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लग सके।

आत्मशक्तिकरण से होगा नशावृत्ति का स्थायी समाधान : बीके प्रियंका

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 7 अगस्त। ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा सेवाकेंद्र द्वारा गुरुवार 6 अगस्त को भारत सरकार के न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सहयोग से आयोजित ÷10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा राष्ट्रीय महाअभियान÷ का तिल्दा क्षेत्र में शुभारंभ माननीय मंत्री श्री टंकराम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिल्दा डॉ. उमा पैकरा, नगर पालिका तिल्दा के सीएमओ अमिताभ शर्मा, समाजसेवी अनिल अग्रवाल, अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष एवं समाजसेविका नीलम अग्रवाल तथा पार्षद रानी सौरभ जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा की संचालिका बीके प्रियंका ने कहा कि आज का युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिदिन 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 5,500 बच्चे किसी न किसी प्रकार के नशे की शुरुआत करते हैं, जबकि तंबाकू सेवन से प्रतिदिन लगभग 3,700 लोगों की मृत्यु होती है। उन्होंने कहा कि नशा राष्ट्र के विकास की नींव में लगा एक बड़ा छेद है, जिसका स्थायी समाधान केवल आत्मशक्तिकरण और राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से संभव है। उन्होंने बताया कि राजयोग के माध्यम से नशा छोड़ने वाले लगभग 97 प्रतिशत लोग दोबारा इसकी ओर नहीं लौटते।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमा पैकरा ने कहा कि वे नियमित रूप से नशे की लत से पीड़ित लोगों की काउंसलिंग करती हैं तथा उनका अनुभव है कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती है। वहीं सीएमओ अमिताभ शर्मा ने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए और प्रत्येक नागरिक यदि यह संकल्प ले तो समाज में बड़ा परिवर्तन संभव है। समाजसेविका नीलम अग्रवाल ने कहा कि किसी भी चीज़ की अति ही नशा है, जिसकी शुरुआत अक्सर अकेलेपन और अवसाद से होती है। ऐसे लोगों को आध्यात्मिक सहयोग देकर नई दिशा दी जा सकती है। समाजसेवी अनिल अग्रवाल ने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए युवाओं को आजीवन नशामुक्त रहने का संदेश दिया तथा तिल्दा में आध्यात्मिक जागरण के लिए ब्रह्माकुमारीज़ के प्रयासों की सराहना की। पार्षद रानी सौरभ जैन ने इस अभियान से जुड़कर स्वयं को सौभाग्यशाली बताया तथा इसके शुभारंभ के लिए माननीय मंत्री का आभार व्यक्त किया।

मामूली विवाद पर युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में अपराध एवं अपराधियों पर नकेल कसने हेतु पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में थाना कसडोल पुलिस ने हत्या के मामले को सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। BSNL ऑफ्सि कसडोल के पास मामूली विवाद पर कैंची से पेट में ताबड़तोड़ वार कर युवक की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। दिनांक 05.08.2026 को प्रार्थी का पुत्र एवं आरोपी फ्रितु यादव के बीच BSNL ऑफ्सि के पास किसी बात को लेकर विवाद एवं गाली-गलौज हुई। इसी दौरान आरोपी फ्रितु यादव ने रंजिशवश तू जब भी मुझसे मिलता है बहुत ज्यादा बात करता है, आज तेरे को निपटा दूंगा कहते हुए जान से मारने की नीयत से अपने पास रखी धारदार कैंची से अजय पैकरा के पेट में गंभीर वार कर दिया। 0पेट में गंभीर चोट लगने के कारण अजय पैकरा वहीं जमीन पर गिर पड़ा।

बहेसर तुलसी में होगा लोकार्पण और भूमिपजन,करोड़ों की मिलेगी सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 7 अगस्त। बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बहेसर और तुलसी के लिए कल का दिन विकास के नाम रहेगा। यहां 2.65 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के मंत्री टंकराम वर्मा होंगे। उनके साथ पार्टी के पदाधिकारी और क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणजन भी उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर सबसे महत्वपूर्ण कार्य ग्राम बहेसर से तुलसी मार्ग तक 1.525 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण का भूमि पूजन होगा। इस सड़क पर लगभग 2.53 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह मांग क्षेत्र के ग्रामीण वर्षों से कर रहे थे। सड़क के बन जाने से बहेसर के साथ-साथ आसपास के गांवों को भी मुख्य मार्ग से सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी। इससे किसानों को अपनी उपज को मंडी तक ले जाने में काफी सहूलियत होगी। साथ ही विद्यार्थियों और आम नागरिकों का आवागमन भी पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य मार्ग से मुक्तिधाम तक 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का भी लोकार्पण किया जाएगा। अब तक बरसात के दिनों में शवयात्रा के दौरान लोगों को कीचड़ और कच्चे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता था। इस नई सड़क के बनने से उस समस्या से पूरी तरह निजात मिलेगी। इसके अलावा शासकीय प्राथमिक शाला बहेसर में 2.50 लाख रुपये की लागत से बने नए शौचालय का लोकार्पण भी होगा। इससे स्कूल के बच्चों को स्वच्छता की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। बाजार चौक बहेसर में 5 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए शेड का भी उद्घाटन किया जाएगा। यह शेड बाजार आने वाले व्यापारियों और ग्रामीणों को धूप और बारिश से बचाव देगा।

इस पूरे आयोजन को लेकर भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं पार्षद रानी सौरभ जैन ने मंत्री टंकराम वर्मा के कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि मंत्री टंकराम वर्मा जी लगातार तिल्दा अंचल को विकास की सौगात दे रहे हैं। बहेसर से तुलसी तक जाने वाली सड़क क्षेत्र की सबसे बड़ी और पुरानी मांगों में से एक थी। आज जब 2.53 करोड़ की लागत से इस सड़क का भूमि पूजन होने जा रहा है तो यह दिन पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के बनने से न सिर्फ किसानों की फसल समय पर मंडी तक पहुंचेगी बल्कि बच्चों को भी स्कूल आने-जाने में परेशानी नहीं होगी।

रानी सौरभ जैन ने कहा कि विकास का मतलब सिर्फ बड़ी सड़कें या बड़े भवन नहीं होते। मुक्तिधाम तक बना सीसी रोड, स्कूल में शौचालय और बाजार में शेड जैसी छोटी-छोटी सुविधाएं ही आम आदमी के जीवन को वास्तव में आसान बनाती हैं। मंत्री जी ने गांव-गांव जाकर लोगों की जरूरतों को समझा है और उसी के अनुरूप काम कराया है। महिला मोर्चा की ओर से वे तिल्दा क्षेत्र की समस्त जनता की तरफ से मंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देती हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में तिल्दा क्षेत्र में हर वर्ग के लिए विकास के द्वार खुल रहे हैं। रानी सौरभ जैन ने क्षेत्र की महिलाओं से भी अपील की कि वे बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होकर विकास कार्यों का साक्षी बनें।

तुलसी पंचायत में गोठान निर्माण को लेकर विवाद, झूठे आरोप व अफ्वाह फैलाने वालों के खिलाफ थाने में शिकायत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 7 अगस्त। तिल्दा-नेवरा क्षेत्र में इन दिनों शिकायत और प्रतिशिकायत का दौर लगातार देखने को मिल रहा है। किसी भी मामले में शिकायत सामने आते ही संबंधित पक्ष भी पुलिस और प्रशासन के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए लिखित आवेदन दे रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत तुलसी में गोठान परिसर में प्रस्तावित व्यावसायिक दुकानों के निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। ग्राम पंचायत तुलसी के सरपंच गुलाब आडील, उपसरपंच मनीषा वर्मा तथा पंचों ने नेवरा थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि कुछ लोग गोठान की जमीन पर बनने वाले व्यावसायिक परिसर को लेकर झूठी अफ्वाहें फैला रहे हैं। आवेदन में कहा गया है कि अभी निर्माण कार्य प्रारंभ भी नहीं हुआ है, फ्रि भी यह प्रचार किया जा रहा है कि दुकानों को लाखों रुपये में बेचा जा रहा है तथा पैसों की मांग की जा रही है। पंचायत प्रतिनिधियों ने ऐसे लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिकायतकर्ता के रूप में सामने आई महिला सोमती जांगड़े के संबंध में पंचायत को जानकारी नहीं है। पंचायत प्रतिनिधियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा है कि व्यावसायिक परिसर का निर्माण सभी वैधानिक प्रक्रियाओं और ग्रामसभा की सहमति के बाद किया जाएगा। पंचायत का कहना है कि दुकानों से प्राप्त होने वाली किराये की राशि का उपयोग गोठान में गौवंश के संरक्षण, संवर्धन और रखरखाव के लिए किया जाएगा। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों ने दावा किया कि शासकीय भूमि पर बढ़ते अवैध कब्जों को रोकने और ग्राम विकास को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

इधर, सरपंच, उपसरपंच और पंचों ने प्रेस क्लब तिल्दा-नेवरा के अध्यक्ष को भी लिखित आवेदन सौंपकर आग्रह किया है कि किसी भी समाचार के प्रकाशन से पहले तथ्यों और पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कर ली जाए, ताकि अफ्वाहों पर आधारित खबरें प्रकाशित न हों।

फ्लिहाल, मामले में दोनों पक्षों द्वारा अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। अब पुलिस और संबंधित प्रशासनिक विभाग की जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कोई कितना भी जीते कभी हार तो होती ही है

राजनीति में सबसे ज्यादा अहम होता है चुनाव जीतना। लगातार चुनाव जीतना। हर कोई चाहता तो यही है कि वह हर बार चुनाव जीत जाए लेकिन देश का बड़े से बड़ा और सबसे पुराना राजनीतिक दल हो या सबसे बड़ा नेता हो वह कितनी भी बार जीते, कभी न कभी तो हार होती ही है।कोई लगातार दस बार जीता है तो हो सकता है कि ग्याहरवीं बार हार जाए। यह होता है जब जनता बदलाव चाहती है,यह होता है जब जनता किसी कारण से नाराज होती है,यह होता है जब जनता को लगता है कि उसका किसी ने अपमान कर दिया है, यह होता है जब जनता को लगता है कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अहंकार हो गया है। यह होता है जब दिल्ली के नेता जीत का जिम्मा राज्य के नेताओं पर छोड़ देते हैं। यह होता है जब कहीं पर उपचुनाव होता है और बड़े राजनीतिक दल व नेता उसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। वैसे तो उपचुनाव में माना जाता है कि सत्तारूढ़ दल की ही जीत होती है लेकिन कई बार उपचुनाव में सत्तारूढ़ दल की हार भी होती है तो उसकी जीत से ज्यादा उसकी हार की चर्चा होती है। कल तीन राज्यों के उपचुनाव के नतीजे आएं हैं। ऊपरी तौर पर देखा जाए तो एक जगह भाजपा जीती है, एक जगह कांग्रेस जीती है और एक जगह भाजपा हारी है। भाजपा गुजरात की मांजलपुर सीट जीती है और यह जीत का अंतर साबित करता है कि यहां भाजपा का जनाधार मजबूत है। भाजपा मजबूत स्थिति में है। यहां उसे फिलहार तो कांग्रेस चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। भाजपा बिहार की बांकीपुर सीट हारी है तो यह देश में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय है कि इस बात की चर्चा तो है कि प्रशांत ने यह चुनाव कैसे जीता इसी के साथ इस बात की भी चर्चा है कि भाजपा यो पिछले 9 बार से इस सीट से कभी नहीं हारी, वह यह सीट इस बार हार कैसे गई। क्योंकि यह सीट भाजपा अध्यक्ष नीतिन नबीन के इस्तीफा देने से खाली हुई थी। यानी यह सीट दो तरह से अहम थी, एक तो यह भाजपा का गढ़ मानी जाने वाली सीट थी, दूसरे यह भाजपा अध्यक्ष की सीट थी यानी यहां से भाजपा के हार की कोई उम्मीद नहीं कर रहा था और पीके के जीत की कोई उम्मीद पीके व उसके दल वाले भी नहीं कर रहे थे। जब उपचुनाव होता है तो वहां जीत की जिम्मेदारी वहां के सीएम व प्रदेश अध्यक्ष की होती है कि वह वहां से ऐसा प्रत्याशी चुने जो जीतने वाला हो। जिसके जीतने की ज्यादा उम्मीद हो। यहा सीएम से लेकर प्रदेश अध्यक्ष की लापरवाही से पहले जिसे प्रत्याशी बनाया गया, वह चुनाव लड़ा नहीं और बाद में जिसे प्रत्याशी बनाया गया वह जीतने वाला नहीं था। यहां मान लिया गया कि यह भाजपा का गढ़ और यहां से भाजपा जीतती रही है तो इस बार भी यहां से भाजपा ही जितेगी। यानी जीत का अति अतिआत्मविश्वास भी हार का एक कारण माना जा रहा है। इसके अलावा कांग्रेस में जैसे कांग्रेस की हार का एक कारण कभी कभी पार्टी के नाराज लोग होते हैं,उसी तरह बांकीपुर में भाजपा की हार का कारण भाजपा के नेता ही हैं। माना जाता है कि इस क्षेत्र से चुनाव लडऩे वाले नेता रविशंकर ने चुनाव के दौरान पूछने पर कह दिया था कि बांकीपुर से भाजपा कुत्ता बिल्ली किसी को भी खड़ा कर देगी तो वह चुनाव जीत जाएगा और रविशंकर का यह कहना भाजपा का बड़ा महंगा पड़ा। पीके तो होशियार नेता वह तो राजनीतिक दलों को चुनाव जिताने वाले नेता रहे हैं उनको बहुत अच्छे से मालूम है कि मजबूत राजनीतिक दल को कैसे हराया जाता है। रविशंकर के बयान को वह जनता व युवाओं के बीच ले गए और उसे जनता व युवाओं के अपमान का मुद्दा बना दिया। उन्होंने जनता को एहसास कराया कि भाजपा को चुनाव जीतने के कारण अहंकार हो गया है कि उसे यहां कोई नहीं हरा सकता। जनता अहंकार को पसंद नहीं करती है क्योंकि किसी को जिताने व हराने वाली वही होती है। उसे बस एहसास कराने की देर होती है कि फलाने राजनीतिक दल के नेताओं का अहंकार हो गया है कि उनको कोई नहीं हरा सकता और जनता उस राजनीतिक के प्रत्याशी व नेता को हरा कर बता देती है कि जनता किसी को भी हरा सकती है। जनता किसी को भी जिता सकती है। कई लोग इसे भाजपा की हार के साथ मोदी व शाह की हार भी बता रहे हैं तो यह उनकी गलतफहमी है क्योंकि मोदी व शाह किसी उपचुनाव में प्रचार करने नहीं जाते हैं। उपचुनाव जीतना व जिताना राज्य की जिम्मेदारी होती है, अगर पार्टी हारी है तो उसके लिए सीएम व प्रदेश अध्यक्ष दोषी हैं। बांकीपुर में भाजपा की हार व पीके की जीत का बिहार की राजनीति पर कितना असर पड़ता है। इसका पता तो आने वाले समय में लगेगा। लेकिन विधानसभा के भीतर बाहर सीएम सम्राट चौधरी को तेजस्वी के साथ पीके के सवालों का जवाब भी देना पड़ेगा। जहां तक सवाल मप्र की दतिया सीट का है तो यह सीट कांग्रेस की थी और कांग्रेस ही जीती है और उसकी जीत का एक कारण भाजपा नेताओं की आपसी प्रतिस्त्रपधा थी। यानी यहां कांग्रेस की जीत का एक कारण यह भी था यहां कुछ भाजपा नेता नहीं चाहते थे कि यहां भाजपा

विश्लेषण

सरकारी स्कूल बचेंगे तो शिक्षा, संस्कार और संस्कृति भी बचेगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके विशाल भवनों, चौड़ी सड़कों, ऊँची इमारतों या आर्थिक विकास दर से नहीं मापी जाती।

किसी देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा ही वह आधार है जिस पर सभ्यता, संस्कृति, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आर्थिक प्रगति का पूरा ढाँचा खड़ा होता है। यदि शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी तो समाज मजबूत होगा; यदि शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक दिखाई देगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सरकारी विद्यालय केवल पढ़ाई के केंद्र नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समानता के सबसे बड़े संस्थान भी हैं। यहाँ किसान का बेटा, मजदूर की बेटी, दुकानदार का बच्चा और सरकारी कर्मचारी का पुत्र एक ही कक्षा में बैठकर शिक्षा प्राप्त कर सकता है। यही वह व्यवस्था है जो समाज में समान अवसर की भावना को जन्म देती है। यदि यह व्यवस्था कमजोर पड़ती है, तो शिक्षा धीरे-धीरे आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाती है और समाज दो हिस्सों में बँटने लगता है—एक वह जो महँगी शिक्षा खरीद सकता है और दूसरा वह जिसे सीमित अवसरों से ही संतोष करना पड़ता है। आज दुर्भाग्य से यह धारणा तेजी से फैल रही है कि अच्छी शिक्षा केवल निजी विद्यालयों में ही मिल सकती है। अंग्रेज़ी माध्यम को गुणवत्ता का पर्याय मान लिया गया है। अभिभावक अपनी आय का बड़ा हिस्सा निजी विद्यालयों की फीस, परिवहन, पुस्तकों और अन्य खर्चों पर लगाने को मजबूर हैं। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों के प्रति उदासीनता बढ़ी है। यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का भी प्रश्न है।

यह सच है कि कुछ सरकारी विद्यालय संसाधनों, शिक्षकों की कमी या प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि देश के हजारों सरकारी विद्यालय उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। अनेक सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं, सेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, खेल और शोध जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। समस्या पूरे सरकारी तंत्र की नहीं, बल्कि उसकी असमान गुणवत्ता, सार्वजनिक धारणा और निरंतर सहयोग की कमी की भी है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को अच्छा नागरिक बनाना, सही और गलत में अंतर करना सिखाना, संविधान के प्रति सम्मान विकसित करना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जगाना भी है। यदि शिक्षा केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित हो जाए तो वह अधूरी शिक्षा है। संस्कार, सहिष्णुता, अनुशासन, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मूल्य भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं। सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलते हैं। विविध सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों का एक साथ पढ़ना लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करता है। बच्चे एक-दूसरे की परिस्थितियों को समझते हैं, विविधता का सम्मान करना सीखते हैं और सामाजिक समरसता विकसित होती है। इसके विपरीत यदि शिक्षा पूरी तरह आर्थिक वर्गों में बँट जाएगी तो सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। आज अपराध, नशाखोरी, हिंसा, साइबर अपराध और सामाजिक असहिष्णुता जैसी समस्याओं पर गंभीर चर्चा होती है। इन समस्याओं के अनेक कारण हैं—बेरोज़गारी, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन, अवसरों की कमी और मूल्य-आधारित शिक्षा का अभाव। यह कहना उचित नहीं होगा कि इन सभी समस्याओं का कारण केवल शिक्षा व्यवस्था है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि एक मजबूत, समावेशी और मूल्य-आधारित शिक्षा व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसीलिए सरकारी विद्यालयों को केवल भवन, कमरे और फर्नीचर के रूप में नहीं देखना चाहिए। वे सामाजिक परिवर्तन के केंद्र हैं। यदि इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षक और समुदाय का सहयोग मिलेगा तो उनका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे समाज पर पड़ेगा। अक्सर यह प्रश्न पूछा जाता है कि यदि निजी विद्यालय बेहतर हैं तो लोग सरकारी विद्यालयों की चिंता क्यों करें? इसका उत्तर बहुत सरल

है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था कमजोर होने का प्रभाव अंततः पूरे समाज पर पड़ता है। जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल कुछ लोगों तक सीमित रह जाती है, तब अवसरों की असमानता बढ़ती है। असमानता बढ़ने पर सामाजिक तनाव, आर्थिक विषमता और असंतोष भी बढ़ते हैं। इसलिए सरकारी विद्यालयों की मजबूती केवल गरीबों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का हित है। ग्रामीण भारत में सरकारी विद्यालयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। अनेक गाँवों में यही एकमात्र ऐसा संस्थान है जहाँ बच्चों को शिक्षा का अवसर मिलता है। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता बेहतर होगी तो गाँवों से पलायन कम होगा, स्थानीय प्रतिभाएँ आगे आएँगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके विपरीत यदि ग्रामीण शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास तक दिखाई देगा। शिक्षक इस पूरी व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। समाज को चाहिए कि वह शिक्षकों के प्रति सम्मान का वातावरण बनाए। साथ ही शिक्षकों का दायित्व भी है कि वे केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। एक प्रेरित शिक्षक कई पीढ़ियों का भविष्य बदल सकता है।

अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विद्यालय केवल शिक्षकों के भरोसे नहीं चल सकते। यदि माता-पिता नियमित रूप से विद्यालय जाएँ, शिक्षकों से संवाद करें, बच्चों की पढ़ाई में रुचि लें और विद्यालय की गतिविधियों में भाग लें, तो शिक्षा का स्तर स्वतः बेहतर होगा। विद्यालय और परिवार का सहयोग ही सफल शिक्षा की कुंजी है। स्थानीय समाज, पंचायतें, पूर्व विद्यार्थी, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि भी सरकारी विद्यालयों के विकास में भागीदार बन सकते हैं। पुस्तकालय, खेल सामग्री, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, करियर मार्गदर्शन और डिजिटल संसाधनों जैसी अनेक पहलें सामुदायिक सहयोग से संभव हैं। जब पूरा समाज विद्यालय को अपना समझता है, तब विद्यालय भी समाज का गौरव बन जाता है। सरकारों की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, डिजिटल कक्षाएँ, पुस्तकालय, खेल सुविधाएँ, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल और नियमित प्रशिक्षण जैसी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करनी होंगी। शिक्षा पर किया गया व्यय खर्च नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश होता है। नई शिक्षा नीति ने भी मातृभाषा, कौशल विकास, समग्र शिक्षा और स्थानीय संस्कृति के संरक्षण पर बल दिया है। सरकारी विद्यालय इस दृष्टि को सबसे प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं, क्योंकि वे समाज की वास्तविक आवश्यकताओं के सबसे निकट हैं। यदि इन विद्यालयों को पर्याप्त संसाधन और सामाजिक विश्वास मिले तो वे राष्ट्रीय विकास की सबसे बड़ी शक्ति बन सकते हैं। हमें यह भी समझना होगा कि अंग्रेज़ी भाषा सीखना उपयोगी है, लेकिन शिक्षा का अर्थ केवल अंग्रेज़ी माध्यम नहीं है। ज्ञान, तर्कशक्ति, वैज्ञानिक सोच, नैतिकता और रचनात्मकता किसी एक भाषा की बपौती नहीं हैं। मातृभाषा में मजबूत आधार और अन्य भाषाओं का ज्ञान—दोनों मिलकर विद्यार्थियों को अधिक सक्षम बनाते हैं। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि सहभागिता की है। केवल सरकार को दोष देने या केवल शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराने से समाधान नहीं निकलेगा। शिक्षा एक साझा जिम्मेदारी है। सरकार, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी और समाज—सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियाँ संवेदनशील, शिक्षित, संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक बनें, तो हमें सरकारी विद्यालयों को मजबूत बनाना ही होगा। यह केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, समान अवसर और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का प्रश्न भी है। सरकारी विद्यालय बचाना किसी एक वर्ग का अभियान नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का दायित्व है। जब सरकारी विद्यालय मजबूत होंगे, तब शिक्षा मजबूत होगी; शिक्षा मजबूत होगी तो संस्कार मजबूत होंगे; संस्कार मजबूत होंगे तो संस्कृति सुरक्षित रहेगी; और जब संस्कृति सुरक्षित रहेगी, तभी राष्ट्र का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। सरकारी विद्यालयों की घंटी केवल कक्षा शुरू होने का संकेत नहीं देती, बल्कि वह एक ऐसे भारत की आशा जगाती है जहाँ हर बच्चे को समान अवसर मिले, हर परिवार को शिक्षा का विश्वास मिले और हर नागरिक को अपने देश के भविष्य पर गर्व हो। इसलिए आइए, सरकारी विद्यालयों को केवल सरकार का नहीं, अपना विद्यालय मानें। क्योंकि यदि सरकारी स्कूल बचेंगे, तो शिक्षा भी बचेगी, संस्कार भी बचेंगे और हमारी साझा संस्कृति भी सुरक्षित रहेगी।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

मेष आज भाग्य आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। मनचाही खुशखबरी मिलने से घर और दोस्तों के बीच खुशी का माहौल रहेगा। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और रुके हुए काम भी तेजी से पूरे होंगे। मित्रों का साथ दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी के साथ प्रेम, विश्वास और अपनापन रिश्ते को और मजबूत करेगा।

वृष आज का दिन नई ऊर्जा और खुशियों से भरपूर रहेगा। किसी शुभ समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। परिवार, खासकर पिता का सहयोग आपके लिए लाभदायक साबित होगा। कारोबार में अच्छे अवसर मिलेंगे और नई शुरुआत भविष्य में फायदे का रास्ता खोलेगी। घर का माहौल भी प्रेम और स्वादिष्ट व्यंजनों से महकेगा।

मिथुन आज नए अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक देंगे। व्यापार में सोच-समझकर लिया गया फैसला भविष्य में बड़ा लाभ दिला सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मित्रों के सहयोग से अच्छी खबर मिल सकती है। सेहत को लेकर किया गया सही निर्णय आपको राहत और सुकून देगा।

कर्क आज आत्मविश्वास आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। किसी खास व्यक्ति के साथ बिताया गया समय मन को प्रसन्न करेगा। परिवार से जुड़ी कोई बड़ी खुशी आपका गर्व बढ़ा सकती है। बच्चों और बुजुर्गों का साथ मानसिक शांति देगा। मेहनत के दम पर सफलता की नई सीढ़ियां चढ़ने के संकेत हैं।

सिंह आज उत्साह और जोश आपके हर काम में दिखाई देगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए सफलता के संकेत मजबूत हैं। व्यापार में अच्छी कमाई के योग बनेंगे। सकारात्मक सोच आपके लिए बंद दरवाजे भी खोल सकती है।

कन्या आज किस्मत आपका अच्छा साथ देगी। रुका हुआ धन वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोगों को सम्मान और तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग आपके निर्णयों को और मजबूत बनाएगा। विद्यार्थियों को गुरुजनों के मार्गदर्शन से कठिन विषय भी आसान लगेंगे।

तुला आज खुशियों की सौगात आपके घर दस्तक दे सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और कार्यशैली विरोधियों को भी प्रभावित करेगी। अधूरे काम पूरे होंगे और व्यापार में लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार और बच्चों के साथ बिताया गया समय दिन को यादगार बना देगा।

वृश्चिक आज आपका आत्मबल नई ऊंचाइयों पर रहेगा। नौकरी में पदोन्नति और आय बढ़ने के शुभ योग बन रहे हैं। परिवार का सहयोग हर कदम पर आपका हौसला बढ़ाएगा। स्वास्थ्य में सुधार के संकेत हैं और नियमित योग आपको लंबे समय तक फिट रखेगा।

धनु आज प्रगति की नई राहें खुल सकती हैं। व्यापार में साझेदारी लाभदायक साबित होगी। इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। सेहत अच्छी रहेगी, लेकिन संतुलित खानपान भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगा।

मकर आज उन्नति के नए अवसर आपका इंतजार कर रहे हैं। निवेश से पहले सही सलाह लेना लाभदायक रहेगा। कीमती वस्तु या नया वाहन खरीदने का योग बन सकता है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और मधुरता बढ़ेगी। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना भी बन सकती है।

कुम्भ आज मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छी प्रगति हो सकती है। विद्यार्थी अपने संदेह दूर कर पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। परिवार के साथ खुलकर बातचीत करने से कई उलझनों का समाधान मिलेगा।

मीन आज लाभ और सम्मान दोनों आपके पक्ष में रहेंगे। आपका विनम्र स्वभाव लोगों का दिल जीत लेगा। नया कारोबार शुरू करने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह आपको बड़ी सफलता की ओर ले जा सकती है। योजनाबद्ध तरीके से किया गया हर प्रयास भविष्य में शानदार परिणाम देगा।

सू- दोकू क्र.123

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.122 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -123

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 122 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

कटोरा और भूखा इंसान

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

नगर पालिका कार्यालय के ठीक बाहर बने कूड़ादान के पास अठहत्तर साल के भीखम बाबा रोज़ दोपहर बारह बजे एक पीला प्लास्टिक का कटोरा लेकर बैठ जाते थे। उनके कटोरे में खाने की एक

भी बासी रोटी नहीं होती थी बल्कि उसमें केवल सूखे पत्ते और मिट्टी के कुछ छोटे-छोटे ढेले भरे होते थे। सफ़ाई कर्मचारी जब भी ट्रॉली लेकर कचरा उठाने आता तो बाबा को उस मटमैले कटोरे को दोनों हाथों में बड़े सहेजकर रखते देखकर हैरान रह जाता था। चपरासी ने एक दिन उन्हें भगाते हुए कहा कि "बाबा जब भीख ही मांगनी है तो मुख्य बाज़ार के मंदिर के बाहर जाओ इस बदबूदार कचरा घर के पास पीला कटोरा लेकर क्यों बैठते हो।" भीखम बाबा ने अपनी झुर्रियों से ढकी धुंधली आँखों से दफ़्तर की विशाल इमारत की तरफ देखा और गहरी साँस लेते हुए बोले कि "बेटा मंदिर का बाज़ार पेट भर सकता है पर मेरी आत्मसम्मान की भूख को शांत नहीं कर सकता। इस कचरे के कटोरे में मेरे स्वाभिमान की वो अमूल्य धरोहर छिपी है जिसे पाने के लिए मैं पिछले चार सालों से रोज़ यहाँ आकर बैठता हूँ।" आसपास खड़े लोग उनका मज़ाक उड़ाते हुए कहते कि "लगता है इस बूढ़े का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है जो कचरे के ढेर में खजाना ढूंढ रहा है।" हमारे देश में जो सच बोलता है उसे पागल घोषित कर देना सबसे सुरक्षित प्रशासनिक व्यवस्था है। प्रशासन की नज़र में विवेक वही है जो कुर्सी की पूजा करे, बाकी सब तो विक्षिप्त हैं। कूड़ेदान सरकारी फाइलों का वह प्रतिरूप है जिसमें जनता की उम्मीदें सड़ती हैं। कार्यालय की इमारत जितनी विशाल होती है, उसके भीतर संवेदनाएं उतनी ही बौनी हो जाती हैं। पत्थर की इमारतों में रहने वाले अक्सर ये भूल जाते हैं कि फाइलें कागज़ की नहीं, आदमी की खाल से मढ़ी होती हैं। नगर पालिका के कर्मचारी और दफ़्तर आने वाले व्यापारी भीखम बाबा को पागल समझकर अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर के बड़े बाबू गुप्ता जी जब भी अपनी चमचमाती कार से उतरते तो बाबा उनके सामने हाथ जोड़कर खड़े हो जाते और कहते कि "बाबू जी क्या आज मेरी वो रसीद बन गई।" गुप्ता जी गुस्से में चश्मा ठीक करते हुए चिल्लाते कि "अरे बूढ़े जब तक साहब के दस्तखत नहीं होंगे तब तक कोई रसीद नहीं मिलेगी और तुम रोज़ इस गंदगी में बैठकर दफ़्तर का माहौल ख़राब मत किया करो।" साहिब का हस्ताक्षर ईश्वरीय वरदान की तरह है, जो केवल तब मिलता है जब भक्त दक्षिणा देने के योग्य हो। सरकारी चश्मा हमेशा धुंधला होता है ताकि उसे गरीब का चेहरा दिखाई न दे। दफ़्तर का माहौल उस इत्र की तरह है जो केवल रिश्वत की खुशबू से महकता है। बाबू का गुस्सा दरअसल उसकी कुर्सी का पावर बैकअप है। फाइलें तब तक नहीं चलतीं जब तक उन पर चांदी के पहिये न लगा दिए जाएं। व्यवस्था की चक्की में दाने नहीं, इंसान पीसे जाते हैं। बाबा बिना कोई जवाब दिए वापस उसी बदबूदार कोने में जाकर बैठ जाते और अपने पीले कटोरे की मिट्टी को उंगलियों से कुरेदने लगते थे। मोहल्ले के दुकानदार आपस में चर्चा करते कि शायद बाबा का कोई पुराना हाउस टैक्स का मामला अटका है या फिर वे दुकान की एनओसी के लिए दफ़्तर के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन किसी को भी यह समझ में नहीं आता था कि आखिर एक सूखा कटोरा जिसमें सिर्फ मिट्टी और पत्ते भरे हों उसका किसी सरकारी फ़ाइल या टैक्स की रसीद से क्या संबंध हो सकता था। जिस देश में मिट्टी को सोना बनाने वाले भूखे मरें, वहां मिट्टी के कटोरे का महत्व केवल एक 'मेंटल' ही समझ सकता है। ईमानदारी का टैक्स सबसे महंगा होता है, जिसे चुकाते-चुकाते आदमी खुद रसीद बन जाता है।

एक दिन अचानक प्रदेश के नगर विकास मंत्री जी शहर के सफ़ाई अभियान की समीक्षा करने के लिए अचानक उस नगर पालिका दफ़्तर पहुँच गए। अफ़सरों में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में चूना छिड़ककर रास्ते साफ किए जाने लगे। मंत्री का दौरा वह जादुई छड़ी है जिससे कूड़ा भी अचानक 'सांस्कृतिक धरोहर' दिखने लगता है। चूना छिड़कना प्रशासन की सबसे बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इससे बदबू नहीं, सिर्फ सच्चाई सफेद हो जाती है। मंत्री जी जब गाड़ियों के क़ाफ़िले से उतरे तो उनकी नज़र उस कूड़ेदान के पास पीले प्लास्टिक के कटोरे को गोद में लिए बैठे भीखम बाबा पर पड़ गई। अपनी दरियादिली का ढोंग रचने के लिए मंत्री जी तुरंत मीडिया कर्मियों को साथ लेकर बाबा के पास पहुँचे और आत्मीयता से बोले कि "बाबा आप इस कचरे के पास क्यों बैठे हैं क्या आपको सरकार की मुफ़्त राशन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।" राजनीति में दया वह निवेश है जिसका मुनाफा चुनाव में मिलता है। मुफ़्त राशन का प्रचार पेट भरने से ज़्यादा, विज्ञापन छापने के काम आता है। कैमरे के सामने की आत्मीयता उस मेकअप की तरह है जो फ्लैश लाइट बंद होते ही उतर जाती है। भीखम बाबा ने कांपते हाथों से वह पीला प्लास्टिक का कटोरा मंत्री जी के सामने फैला दिया और बोले कि "साहब जी मुझे राशन नहीं चाहिए बस मेरे इस कटोरे में जमा किए गए मेरे परिवार के हिस्से का सच मुझे वापस दिला दीजिए।" व्यवस्था के पास राशन तो है, पर सच देने का बजट कभी पास नहीं होता। मंत्री जी ने चकित होकर उस कटोरे के अंदर देखा तो उसमें मिट्टी के नीचे दबा हुआ एक पुराना फटा हुआ प्लास्टिक का थैला निकला जिस पर सरकारी योजना की मुहर लगी हुई थी। सरकारी मुहर वह ठप्पा है जो मौत को भी सांख्यिकी में बदल देता है।

मंत्री जी ने झिझकते हुए उस थैले को बाहर निकाला तो उसमें से सूखे हुए बासी चावल के कुछ दाने और एक पुराना मृत्यु प्रमाण पत्र निकला। मृत्यु प्रमाण पत्र दरअसल व्यवस्था की अंतिम रसीद है जो यह प्रमाणित करती है कि अब यह आदमी और परेशान नहीं किया जा सकता। भीखम बाबा की आँखों से आंसुओं की धार बह निकली और वे बिलखते हुए बोले कि "साहब चार साल पहले कड़ाके की ठंड में मेरा इकलौता बेटा इसी दफ़्तर के बाहर इस आस में रात भर बैठा रहा कि उसे इंदिरा रसोई से मुफ़्त भोजन का यह पीला कटोरा मिलेगा। लेकिन अफ़सरों ने उसे बिना पहचान पत्र के खाना देने से मना कर दिया और वह भूख से तड़पकर इसी कूड़ेदान के पास सो गया जो सुबह कभी नहीं उठा।" पहचान पत्र रोटी से बड़ा हो गया है, मानो पेट को भी आधार कार्ड की ज़रूरत हो। जिस देश में भूख के लिए पहचान पत्र चाहिए, वहां समझ लेना चाहिए कि इंसान की पहचान खत्म हो चुकी है। नियम वे दीवारें हैं जिनके पीछे अफ़सर अपनी कायरता छिपाते हैं। बाबा ने रुंधे गले से आगे कहा कि "अफ़सरों ने कागज़ों में लिख दिया कि उसकी मौत ठंड से हुई है भूख से नहीं और उसकी लाश को लावारिस बताकर फेंक दिया। सरकारी आंकड़ों में भूख से कोई नहीं मरता, सब 'तकनीकी कारणों' से मरते हैं। सच बोलने वाला कागज़ अक्सर दफ़्तर की अलमारी में गुम हो जाता है। मैं रोज़ इस पीले कटोरे में मिट्टी भरकर इसलिए यहाँ बैठता हूँ ताकि इस दफ़्तर की अंधी व्यवस्था को बता सकूँ कि जिस राशन के कटोरे को वे कागज़ का टुकड़ा मांगते हैं वह किसी गरीब के लिए ज़िंदगी और मौत का अंतर होता है।" व्यवस्था की आँखें तब खुलती हैं जब तमाशा दिखाने के लिए कोई मंत्री आ जाए। मिट्टी का बोझ उठाना आसान है, पर बेईमान व्यवस्था का बोझ ढोना नामुमकिन है। यह सुनते ही मंत्री जी स्तब्ध रह गए और पूरा मीडिया सन्न रह गया जबकि बड़े बाबू गुप्ता जी का चेहरा मारे डर और शर्म के सफ़ेद पड़ गया था। सफेद चेहरा यह बताता है कि भीतर का काला रंग अब बाहर आने को बेचैन है। शर्म केवल उनके लिए है जिनके पास आत्मा बची हो, दफ़्तरों में तो केवल फाइलें और स्वार्थ जीवित रहते हैं। सच जब सड़क पर बैठता है, तो कुर्सियां हिलने लगती हैं, पर अफसोस कि कुर्सियां फिर से जम जाती हैं और सच फिर कूड़ेदान के पास वापस चला जाता है।

एक नजर

गीदम आईटीआई में 13 अगस्त को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

दंतेवाड़ा, 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) गीदम में 13 अगस्त 2026, गुरुवार को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक निःशुल्क प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कैंप में ईगल हाई-टेक इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेट प्राइवेट लिमिटेड, संभाजीनगर (महाराष्ट्र) एवं जीनस एनर्जाइजिंग लाइव्स सहित प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। इसमें विद्युतकार, फिटर, वायरमैन, टर्नर, मैकेनिक डीजल, वेल्डर, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग सहायक (कोपा) सहित आईटीआई के सभी व्यवसायों के प्रशिक्षणार्थी भाग ले सकते हैं। इसके अलावा पॉलीटेक्निक, 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अन्य योग्यताधारी अभ्यर्थी भी अपनी पात्रता के अनुसार प्लेसमेंट कैंप में शामिल हो सकते हैं।

इसके संबंध में इच्छुक अभ्यर्थियों को शैक्षणिक दस्तावेजों की मूल प्रति, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की दो छायाप्रति, बैंक पासबुक की दो छायाप्रति, शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की दो छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट आकार के फोटो के साथ उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है। यह प्लेसमेंट कैंप पूर्णतः निःशुल्क होगा। संस्था द्वारा सभी प्रशिक्षण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे वर्तमान सत्र एवं पूर्व में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को प्लेसमेंट कैंप की जानकारी उपलब्ध कराते हुए निर्धारित तिथि पर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक युवा इस रोजगार अवसर का लाभ उठा सकें।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित 2 परिवारों को 8 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत

जगदलपुर 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के संशोधित प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा से 02 पीड़ित परिवारों हेतु चार-चार लाख रूपए के मान से कुल 08 लाख रुपये की सहायता राशि की स्वीकृति दी गई है। जिसके तहत तहसील बास्तानार ग्राम बोरजा निवासी 61 वर्षीय पोदिये मण्डावी की सांप काटने से हुई मृत्यु के पश्चात उनके पति श्री दशो मण्डावी को तथा तहसील बस्तर ग्राम खोरखोसा निवासी मधु बघेल की मृत्यु पानी में डुबने से भाई श्री कोदूराम को सहायता स्वीकृत की गई है।

जिले में 10 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

दंतेवाड़ा, 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय रामटेके के मार्गदर्शन में जिले में 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया जाएगा ।जिसके अंतर्गत जिले के समस्त शासकीय , अनुदान प्राप्त एवं समस्त निजी स्कूल शिक्षण संस्था एवं आंगनबाड़ी केंद्रों मैं 10 अगस्त को एक वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि मुक्ति की दवाई निशुल्क दी जाएगी। जिले में कुल 1 लाख 16 हजार बच्चों को कृषि की दवाई खिलाई जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके लिए पूरी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। विकासखंड स्तर पर एल्बेंडाजोल की गोली उपलब्ध करा दी गई है। जिला नोडल अधिकारी कृमि मुक्ति कार्यक्रम डॉक्टर एस मंडल ने बताया है कि समस्त आंगनबाड़ी एवं स्कूल में 10 तारीख को कृमि की दवा दी जाएगी। किसी कारण बच्चे छूट जाते हैं तो उन्हें 17 अगस्त को माप अप राउंड बच्चों को दवा दी जाएगी। जिले के सभी पलकों से अपील की जाती है कि उक्त दिवस अपने बच्चों को कृमि मुक्ति की दवा अनिवार्य रूप से खिलाए।

आईटीआई गीदम में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

दंतेवाड़ा, 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नोडल संस्था शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) गीदम, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत युवाओं के लिए निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। प्रशिक्षण के अंतर्गत मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग सहायक तथा घरेलू विद्युत वायरिंग व्यवसाय में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। दोनों व्यवसायों में 20-20 सीटें उपलब्ध हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित पात्रता के अनुसार अपना आवेदन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, गीदम में जमा कर सकते हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को रोजगारपरक तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, गीदम से संपर्क कर सकते हैं।

सेवा सेतु से मिली राहत, अब राजपत्र में नाम संशोधन की प्रक्रिया हुई आसान

दंतेवाड़ा, 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों को घर के नजदीक सरल, सुगम और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु पहल लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसका लाभ दंतेवाड़ा जिले की निवासी श्रीमती धिन्नो कड़ियामी को भी मिला। आधार कार्ड में नाम गलत दर्ज होने के कारण उन्हें लंबे समय से शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी। महतारी वंदन योजना सहित अन्य योजनाओं की राशि भी उन्हें नहीं मिल पा रही थी। आधार में नाम सुधार कराने के लिए पहले राजपत्र (नेम चेंज) में नाम प्रकाशित कराना आवश्यक था।

भाजपा सरकार किसान विरोधी, जनता परेशानः अनिला भेंडिया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है आज प्रदेश के किसान और पूरी जनता सरकार से परेशान है। उक्त बातें डौंडीलोहारा विधायक अनिला भेंडिया नें आदिवासी विकास खंड डौंडी के विभिन्न गांव में विधायक निधि से विकास कार्यों का लोकापर्ण व भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान अपने मुख्य अतिथि के आसंदी से कही। विधायक अनिला भेंडिया नें ग्रामीणों को सबसे पहले सावन के इस पवित्र महिने की बधाई देते हुए भगवान भोलेनाथ से अपने विधानसभा सहित पूरे प्रदेश व देश की जनता के खुशहाली की कामना की।

विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा की आज हमारे प्रदेश के किसान काफी

परेशान है। भाजपा सरकार किसानों को समय पर खाद्य उपलब्ध नहीं करवा पाई, किसान खाद्य के लिए भटकते रहे। विधायक नें कहा की भाजपा सरकार एक हजार रुपए देकर पांच हजार रुपए की राशि जनता से वसूली जा रही है। आज बिजली के बिल से पूरी जनता काफी परेशान है। छोटे छोटे मजदूर, किसानों के घरों का बिल जो कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दो, तीन सौ रुपए आता था आज वही बिजली का बिल एक हजार से ज्यादा आने लगा है। विधायक अनिला भेंडिया ने ग्रामीणों से कहा की वे अपनी समस्याओं की लिखित शिकायत अपने पंचायत और जनपद के माध्यम से जिला पंचायत को पहुंचाये। जब तक समस्या निचले स्तर से नहीं उठेंगी, जब तक सरकार के विरुद्ध आवाज बुलंद नहीं होगी, तब तक सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंगेंगी।

वहीं ग्राम पंचायत घोटिया में लगभग एक करोड़ रुपए की लागत से बनें स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम हायर सेकंडरी स्कूल के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान अनिला भेंडिया ने अपने उदबोधन में कहा की कांग्रेस के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सोच थी की हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश के दुर वनांचल गांव के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम की शाला में पढ़े और अंग्रेजी बोलना सीखें। ताकि उन्हें किसी भी कंम्पटेडिव परीक्षा में परेशानी न हो। विधायक अनिला भेंडिया ने ग्राम पंचायत घोटिया के नवीन शासकीय महाविद्यालय में पहुंचकर विदयार्थियों को संबोधित किया और महाविद्यालय के संचालन हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य को एक लाख रुपयों की सहयोग राशि प्रदान की गई।

ग्राम पंचायत घोटिया में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में विधायक अनिला भेंडिया ने महिलाओं की आरती उतारकर उन्हें उपहार भेंट किया गया। वहीं छोटे बच्चों को खीर खिलाकर मुंह झुठा करवाया गया।

शिक्षा के प्रति विधायक संवेदनशील :- विधायक प्रतिनिधि पीयूष सोनी नें अपने उदबोधन में कहा की ग्राम पंचायत घोटिया में कांग्रेस कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आगमन पर गांव के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों नें एक साथ मिलकर मुख्यमंत्री से गांव महाविद्यालय की मांग की गई थी। उस दौरान प्रदेश की महिला बाल विकास मंत्री रही अनिला भेंडिया ने मुख्यमंत्री को बताया की घोटिया सहित आसपास के विभिन्न गांव के बच्चों को 12 वीं के पश्चात महाविद्यालय की पढाई के लिए बालोद या फिर दल्लीराजहरा जाकर पढना पड़ता है।

शासन के संलग्नीकरण वापसी आदेश का जिला शिक्षा अधिकारी नहीं कर रहे पालन

राज्य शासन और लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशों की खुली अवहेलना

- प्रशासनिक सुस्ती व राजनीतिक संरक्षण का फायदा उठा अधिकातर शिक्षक अब तक मूल स्थान में नहीं लौटे.
- शिक्षकों के कार्यालयों में संलग्न रहने से ग्रामीण अंचल व दूरदराज के विद्यालयों में पठनपाठन का कार्य हो रहा प्रभावित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 7 अगस्त। स्कूल शिक्षा विभाग व संचालनालय के संलग्नीकरण समाप्त करने संबंधी निर्देशों का जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पालन नहीं करवाए जाने का मामला सामने आया है। शासन के आदेश के एक माह बाद भी संलग्न शिक्षक कर्मचारी अपने मूल पदस्थापना स्थान में नहीं लौटें हैं और अपने कार्यालयों में ही जमे हुए हैं । आदेशों को न मानकर एक तरह से डीईओ ने सरकार के आदेश का खुला माखौल उड़ाया है। इस कृत्य के लिए संचालनालय की ओर से अब तक जिम्मेदार जिला अधिकारियों पर कोई कारवाई नहीं की गई है। ईधर अटैचमंट पर कार्य कर रहे शिक्षकों के मूल शाला में नहीं लौटने से दूर दराज के स्कूलों में शिक्षकों की कमी के चलते बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

गौरतलब है कि संयुक्त संचालक शिक्षा, जगदलपुर द्वारा बीते 04 जुलाई 2025 को भी एक आदेश जारी कर समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि अन्यत्र कार्यालयों/शालाओं में संलग्न शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक शिक्षक कर्मचारियों को उनके मूल संस्था में तत्काल भारमुक्त कर की गई कारवाई से संचालनालय को अवगत करवाया जाए। । एक महिना बीत चुका है मगर दंतेवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर ने अब तलक शासन के आदेश का पालन नहीं किया है। बता दें कि पूरे प्रदेश में केवल दंतेवाड़ा ही एकमात्र ऐसा जिला है जहां अधिकारी शासन के आदेश को ठेंगे पर रख खुली धज्जियां उड़ा रहे हैं। लोक शिक्षण

विभाग ने कई बार संलग्नीकरण व प्रतिनियुक्ति को समाप्त कर शिक्षकों को उनके मूल संस्थान पर वापस भेजने संबंधी आदेश जारी किया है। संलग्नीकरण समाप्त कर शिक्षकों को मूल संस्था में लौटने के निर्देश के बाद भी आदेश का पालन न करना सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही और अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना जाएगा।

एक समय था जब शिक्षकों को मास साहब. गुरूजी, अध्यापक, गुरू व आचार्य कहकर बड़े सम्मान से छात्र, अभिभावक व समाज के लोग आदर सम्मान किया करते थे। तब वे केवल एक शिक्षक के रूप में ही जाने पहचाने जाते थे। वहीं बदलते समय के साथ शिक्षकों का नामकरण होता चला गया। आज शिक्षकों को पहचानना मुश्किल है। शिक्षक आज कई अन्य रूपों में पाए जा रहे हैं जैसे- जिला समन्वयक, संकुल समन्वयक, खंड स्रोत समन्वयक, मंडल संयोजक, खण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक परियोजना अधिकारी व किसी कार्यालय में ऑपरेटर, नोडल, अधीक्षक और न जाने किन किन नामों से आज शिक्षकों को पुकारा जाता है। हमारे सड़े हुए, बिके हुए , भ्रष्टाचार के आकंठ डूबे सिस्टम ने आज ज्ञान का प्रकाश देने वाले शिक्षकों को व्यापारी व सौदागर बनाकर रख दिया है। आज शिक्षक स्कूलों में पढ़ाने के लिए नहीं बल्कि विभिन्न कार्यालयों में बैठकर बाबूगिरी व अधिकारी का काम करने के लिए जाने जाते हैं। शायद शासन को देर से ही सही इस बात का आभास हो चला है कि हमारे शिक्षक स्कूली बच्चों से दूर होते चले जा रहे हैं। इसलिए देर से ही सही शासन की आंख खुली और फिर संलग्नीकरण (अटैचमेंट)समाप्त कर विभिन्न पदों पर एवं कार्यालयों में जमे बैठे सभी शिक्षक कर्मचारियों को वापस अपने मूल संस्थान में भेजने का आदेश जारी किया मगर दुर्भाग्य से दंतेवाड़ा जिले में शासन के इस आदेश का पालन कई महिनों बाद भी नहीं हो पाया है। आज भी जिले में तमाम अटैचमेंट एवं प्रतिनियुक्ति पर आए शिक्षक कर्मचारी अपने पुराने स्थान पर ही जमे पड़े मौज कर रहे हैं कोई शिक्षक अपने मूल शाला में जाकर पढ़ाने को तैयार नहीं। प्रशासनिक व राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर अधिकांश शिक्षक जिला कार्यालयों में ही बैठे व घुमते दिखाई पड़ते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी पहले आदेश का सख्ती से पालन करवाने की बड़ी बड़ी बातें कह मिडिया में बयान दे रहे थे कि सरकार के आदेशों का अक्षरशः पालन होगा। अटैचमेंट वाले सभी शिक्षकों, मंडल संयोजक, बीरआरसी को वापस भेजा जाएगा। शासन का आदेश जारी हुए आज महिनों बीत गए लेकिन अब तक जिले के चारों ब्लाकों में मंडल संयोजक, बीआरसी को रिलिव नहीं किया गया है। डीईओ इन्हें किसी कीमत पर हटाना नहीं चाहते। वहीं दुसरी ओर सहायक आयूक्त कार्यालय, खण्ड शिक्षा कार्यालय में भी दर्जनों की संख्या में शिक्षक व्याख्याता अटैचमेंट पर हैं। सहायक आयूक्त राजीव नाग का कहना है कि एकाएक शिक्षकों को हटा देने से उनका कार्यालयीन कार्य प्रभावित होगा। व्यवस्था बनते ही शिक्षकों को उनके मूल संस्थान में वापस भेज दिया जाएगा। अधिकारियों के इस बयान को किस रूप में देखा जाए। क्या किसी भी एंगल से अधिकारियों का कथन शासन के आदेश का पालन करने वाला कथन माना जा सकता है क्या? तो जवाब होगा बिलकुल भी नहीं। इन अधिकारियों के अंदर आखिर शासन के आदेश की नाफरमानी करने की हिम्मत आती कहां से है। दंतेवाड़ा जिले में शिक्षा विभाग का संलग्नीकरण समाप्ती वाले आदेश का पालन नहीं किया गया इस बात से संचालनालय में बैठे उच्चाधिकारीं व शिक्षा मंत्री भी अवगत हैं। बड़ा सवाल यही कि आखिर सरकार के आदेश को न मानने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कब तक होगी। यह अभी देखना होगा।

रजत पदक छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी ने बढ़ाया देश-प्रदेश का मानःहरिहर साहनी

- हरिहर साहनी ने दी बधाई, कहा युवा पीढ़ी के लिए बनीं प्रेरणास्रोत

बीजापुर 7 अगस्त। राष्ट्रमंडल खेल-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिला अध्यक्ष हरिहर साहनी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ज्ञानेश्वरी की सफलता पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

हरिहर साहनी ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 199 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक हासिल किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि साबित करती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा ज्ञानेश्वरी यादव को 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पदोन्नति देने की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के खिलाड़ियों और युवाओं को नई प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

भाजयुमो जिला अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि ज्ञानेश्वरी यादव भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत और छत्तीसगढ़ का नाम विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी तथा उनकी सफलता प्रदेश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

15 सालों की मांग के बाद भी नहीं बनी सड़क

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल 7 अगस्त। मादाडी किरंदुल से लगा हुआ गाँव जो आज भी अपने मूलभूत सुविधाओं के लिए लड़ाई लड़ रहा है । आज भी इस गांव मैं सब से मुख्य सड़क नहीं बनी है जिस वजह से लोगों को गांव से मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए कठिनाई का सामना करना पड़ता है और बारिश के समय तो मिट्टी की सड़क मैं पानी भरने और कीचड़ होने की वज से हालात और गंभीर हो जाता है । गाँव मैं सड़क नहीं होने से न ही कोई बड़ी गाड़ी न ही एम्बुलेंस पाउच पाता है किसी को अचानक अस्पताल तक जाना हो तो एम्बुलेंस को आधे रस्ते तक बुला कर गाँव वाले जैसे तैसे कर मरीज को एम्बुलेंस तक पहुँचाते है। गाँव के स्कूल की हालत भी गंभीर है बारिश के समय स्कूल के छत से पानी टपकता रहता है और पूरे स्कूल मैं पानी भर जाता है जिस वजह से स्कूल मैं बच्चों के बैठने के लिए कोई जगह नहीं होती। गाँव के विकाश के लिए गाँव वाले ने कई बार कलेक्टर एवं ठुद्वस्त्रष प्रबंधन को पत्र लिखा और स्वयं भी कई बार ठुद्वस्त्रष प्रबंधन से जा कर बात

की मगर अभी तक कोई भी काम चालू नहीं हुआ ।

राजू कड़ती (सरपंच) :- द्वारा कहना है कि मैं और गांव वाले द्वारा कई बार कलेक्टर महोदय से मिल कर गांव के स्थिति से अवगत कराया गया है परंतु इस पर कोई कर्मवाही नहीं हुई है। हृद्वस्त्रष प्रबंधन से सड़क की माँग कर उन से मिलने जाने पर यह कहा जाता है वर्क ऑर्डर हो चुका है कुछ दिन बाद काम चालू हो जाए गा परंतु 6 महीने से अधिक हो चुका है और अभी तक कोई ठेकेदार गांव के रोड के सर्वे के लिए भी नहीं आया है । गाँव वाले की बस यही मांग है कि सब से पहले गाँव की सड़क बने ताकि लोग के बिना कठिनाई के मुख्य सड़क तक पाउच सके ।

जिले के अंतिम गांव जंगमपाल तक पहुंची स्वास्थ्य सुविधाएं,बाहर नहीं जाना पड़ता इलाज के लिए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 7 अगस्त। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम स्तर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना, नए स्वास्थ्य भवनों का निर्माण, जिला अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार तथा मेडिकल कॉलेज की स्थापना जैसे प्रयासों से जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। जिले की 24 से अधिक स्वास्थ्य संस्थाओं का राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणीकरण भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमाण है। कटेकल्याण विकासखंड के अंतर्गत स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर जंगमपाल, जिले के अंतिम उप स्वास्थ्य केंद्रों में से एक है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पहले यहां के मरीजों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल या सुकमा जिले का रुख करना पड़ता था। लेकिन आयुष्मान आरोग्य मंदिर के संचालन के बाद गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। वर्तमान में यहां निशुल्क लैब जांच, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा 12 प्रकार की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सबसे बड़ा बदलाव मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में देखने को मिला है। अब गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए जिला अस्पताल या कटेकल्याण नहीं जाना पड़ रहा है। उप स्वास्थ्य केंद्र में ही उनकी नियमित जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की पहचान, निरंतर फॉलोअप एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इसी का परिणाम है कि पिछले तीन महीनों में जंगमपाल आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 23 गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराया गया है। जिले मुख्यालय से लगभग 110 किलोमीटर दूर स्थित इस अंतिम उप स्वास्थ्य केंद्र में संस्थागत प्रसव की सुविधा उपलब्ध होना मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर जंगमपाल में ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार, गर्भवती महिलाओं की जांच, टीकाकरण, स्वास्थ्य परामर्श सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं तथा जंगमपाल की यह सफलता जिले की सुदृढ़ होती स्वास्थ्य व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है।

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन स्पोर्ट्स' के लिए आवेदन आमंत्रित

कांकेर 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को तराशने तथा क्षमता के अनुरूप राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से तथा वर्ष 2030 के एशियाई खेल, वर्ष 2030 एवं 2034 के कॉमनवेल्थ खेल तथा देश में आयोजित होने वाले वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में राज्य के खिलाड़ियों की प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन स्पोर्ट्स' के तहत खेल प्रतियोगिता आयोजित कर प्रतिभा चिन्हांकन किया जाना है। कांकेर जिला में वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट खेल प्रतियोगिता 2026 के माध्यम से ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं में चिन्हांकन एवं विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ किया जाना है।

भाजयुमो ने शहीद परिवारों को तिरंगा ध्वज भेंट कर किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 7 अगस्त। भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला दंतेवाड़ा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत नक्सल हिंसा में राष्ट्र की रक्षा एवं जनसेवा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जनप्रतिनिधियों, वीर जवानों एवं ग्रामीणों के परिजनों से भेंट कर उन्हें सम्मानपूर्वक तिरंगा ध्वज भेंट किया गया।

इस अवसर पर विधायक माननीय श्री चैतराम अटामी जी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारियों ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुँचकर शहीद परिवारों का कुशलक्षेम जाना तथा राष्ट्र की ओर से उनके अद्वितीय त्याग और बलिदान को नमन किया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने ग्राम पंचायत कासोली में शहीद जवान मंगडू मंडावी जी, मंगलू मंडावी जी एवं लखमू मरकाम जी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें तिरंगा ध्वज भेंट किया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत चितालंका स्थित दंतेवाड़ा के पूर्व विधायक श्रद्धेय भीमा मंडावी जी

के निवास पहुँचकर उनके परिवारजनों से भेंट कर तिरंगा ध्वज समर्पित किया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत गंजेनार में शहीद लक्ष्मण मरकाम जी, ग्राम पंचायत मिडकुलनार में शहीद राम लाल ओयामी जी, तथा ग्राम पंचायत केशापुर में शहीद संतोष तामो जी एवं शहीद मोती राम पटेल जी के परिजनों से मिलकर उन्हें तिरंगा ध्वज भेंट किया गया।

भाजयुमो जिला अध्यक्ष श्री राहुल असरानी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और अपने वीर शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान और हमारे वीर सपूतों के सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। शहीद परिवारों से मिलकर उन्हें तिरंगा भेंट करना प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए गर्व, सम्मान और भावनात्मक क्षण रहा।

उन्होंने कहा कि शहीद परिवारों का त्याग और समर्पण देश की सबसे बड़ी प्रेरणा है। उनके आँसू और उनका गर्व ही भारत की वास्तविक शक्ति हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा सदैव राष्ट्रहित, राष्ट्रभक्ति और शहीदों के सम्मान के प्रति समर्पित रहा है तथा आगे भी ऐसे परिवारों के सम्मान और सहयोग के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी अमर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र उनके बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा।

मावा मोदोल एवं पूना पर्रियान के 12 अभ्यर्थियों को सब-इंस्पेक्टर भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा में मिली सफलता

कांकेर 7 अगस्त। जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'मावा मोदोल' निःशुल्क कोचिंग सेंटर एवं 'पूना पर्रियान' ने एक बार फिर गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन का प्रमाण सिद्ध किया है। छत्तीसगढ़ सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा (प्रारंभिक परीक्षा) के घोषित परिणामों में इन संस्थाओं के 12 अभ्यर्थियों ने सफलता अर्जित की है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी के निर्देशन में संचालित इन निःशुल्क कोचिंग केंद्रों से लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। इस संबंध में बताया गया कि मावा मोदोल निःशुल्क कोचिंग सेंटर कांकेर से श्री गुलशन कुमार जैन, सुश्री मोनिका नेताम, सुश्री अंजली उसेंडी, श्री संदीप गढ़पाले, श्री भुनेश्वर साहू एवं श्री कुलेश्वर पटेल ने प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। वहीं मावा मोदोल भानुप्रतापपुर से सुश्री पुष्पलता जाड़े, श्री विक्रांत ठाकुर, श्री यजेश नेताम, सुश्री कविता गोयल, श्री नागेश्वर कुमेटी एवं सुश्री पुष्पलता बसेरा ने सफलता अर्जित कर जिले का गौरव बढ़ाया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सफल अभ्यर्थियों के लिए मावा मोदोल में मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु जल्द ही विशेष बैच प्रारंभ किया जाएगा। इसमें वे अभ्यर्थी भी शामिल हो सकेंगे जो स्वयं अध्ययन कर रहे हैं। इसके साथ ही पूना पर्रियान के माध्यम से विशेष प्रशिक्षकों द्वारा शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी भी कराई जाएगी, ताकि अभ्यर्थी आगामी चरणों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने बताया कि मावा मोदोल एवं पूना पर्रियान के माध्यम से विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग, अध्ययन सामग्री, टेस्ट सीरीज़, विशेषज्ञ मार्गदर्शन तथा फिजिकल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

टेंगनाबासा मिडिल स्कूल में एक पेड़ मां के नाम व मोर स्कूल हरियर स्कूल अभियान में पौधे लगाकर

बच्चों को पौधरोपण के महत्व व पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद/छुरा,7 अगस्त। विकासखंड छुरा के ग्राम टेंगनाबासा स्थित मिडिल स्कूल परिसर में एक पेड़ मां के नाम - मोर स्कूल हरियर स्कूल÷ अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति लेखराज ध्रुवा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को पौधरोपण के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।विशिष्ट अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी किशुन मतावले ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने, अनुशासन बनाए रखने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।वहीं थाना प्रभारी छुरा ज्ञानेश्वर सिंह गंगवाल ने बच्चों को गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए सतर्क रहने की सलाह दी। इसके पश्चात सभी अतिथियों ने ÷एक पेड़ मां के नाम - मोर स्कूल हरियर स्कूल÷ अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी (सभापति, जिला पंचायत गरियाबंद), लेखराज ध्रुवा (सभापति, जिला पंचायत गरियाबंद) तथा अध्यक्षता श्रीमती राजकुमारी ध्रुव सरपंच ग्राम पंचायत टेंगनाबासा ने की। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती मुंगेश्वरी ठाकुर (जनपद सदस्य), ब्लॉक शिक्षा अधिकारी किशुन मतावले, थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर सिंह गंगवाल, उपसरपंच रेखचंद साहू, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हुमन सिन्हा, पंच मोहेंद्र सिन्हा, तुलेश साहू, कुन्ती सिन्हा वरिष्ठ नागरिक लक्षण सिन्हा, हरिराम सिन्हा, रमेश सिन्हा तथा शाला परिवार के यशवंत सिन्हा, हीराधर साहू, हरीश साहू, इंदु राजपूत, गैंद सिंह नेताम, लता साहू, गायत्री साहू सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

प्रतिबंधित एनालॉग पनीर जब्त डेयरी का लाइसेंस निलंबित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 अगस्त। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत बुधवार को कई डेयरियों में आकस्मिक निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की गई।

नियंत्रक महोदय के निर्देशानुसार एवं जिला रायगढ़ की अभिहित अधिकारी सुधा चौधरी के नेतृत्व में सतगुरु डेयरी का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान वहां से 07 किलोग्राम प्रतिबंधित एनालॉग पनीर बरामद हुआ। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पनीर का नमूना जांच हेतु संग्रहित किया तथा शेष पनीर को मौके पर ही नष्ट कराया। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर डेयरी का खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर सुधार सूचना नोटिस जारी की गई।

जांच दल ने इसके बाद कस्तूरी डेयरी, सुरभि डेयरी, मुन्ना डेयरी सहित कोड़ातराई एवं पटेलपाली स्थित सतीश एवं मनोज मशरूम डेयरी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान सतीश पटेल के प्रतिष्ठान से 08 किलोग्राम एक्सपायरी खोवा बरामद हुआ, जिसे ओडिशा से लाया गया था। अधिकारियों ने उक्त खोवे को मौके पर ही नष्ट कराते हुए संबंधित संचालक को नोटिस जारी किया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलेभर में इस प्रकार की विशेष जांच एवं कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेमीचंद पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शांतनु भट्टाचार्य तथा नमूना सहायक सुमन अग्रवाल उपस्थित रहे।

एक नजर

विश्व स्तनपान सप्ताह- जिलेभर में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

रायगढ़, 7 अगस्त। विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 के अवसर पर जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामभांठा, इंदिरा नगर (मोदीनगर) एवं गांधीनगर (जूटमिल) में विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में गर्भवती एवं धात्री माताओं को स्तनपान के महत्व, सही स्तनपान तकनीक, मातृ पोषण तथा नवजात शिशु की समुचित देखभाल की विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जन्म के प्रथम घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान कराना तथा जन्म से छह माह तक केवल माँ का दूध देना शिशु के शारीरिक, मानसिक एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छह माह के बाद उपयुक्त पूरक आहार के साथ दो वर्ष अथवा उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की सलाह भी दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वास्थ्य संस्थानों में परामर्श सत्र आयोजित करने के साथ-साथ घर-घर जाकर भी माताओं एवं परिवारों को स्तनपान के लाभों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य माताओं को सही जानकारी उपलब्ध कराकर कुपोषण की रोकथाम तथा शिशुओं के स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे माताओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करें और स्वस्थ, सुपोषित एवं कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं।

रक्षाबंधन पर 10 रुपये में मिलेगा राखी लिफाफा, राखी डाक के लिए लगाई गईं पीली पेटियां

रायगढ़, 7 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन पर्व को देखते हुए भारतीय डाक विभाग ने बहनों की राखियां समय पर भाइयों तक पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था की है। विभाग द्वारा विशेष राखी लिफाफा तैयार कराया गया है, जो छत्तीसगढ़ के सभी प्रधान डाकघरों एवं उपडाकघरों में मात्र 10 रुपये में बिक्री के लिए उपलब्ध है। इस लिफाफे का उपयोग कर राखी को स्पीड पोस्ट अथवा साधारण डाक के माध्यम से आसानी से भेजा जा सकता है।अधीक्षक डाकघर रायगढ़ संभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि राखी डाक के त्वरित निपटान के लिए 1 से 29 अगस्त 2026 तक विशेष पीले रंग की पत्र पेटियां स्थापित की गई हैं। रायगढ़ में ये विशेष पत्र पेटियां प्रधान डाकघर रायगढ़, चक्रधरनगर उपडाकघर, सदर बाजार उपडाकघर तथा कमला नेहरू पार्क में लगाई गई हैं। डाक विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी राखी डाक केवल पीले रंग की विशेष पत्र पेटियों में ही डालें, ताकि उसका शीघ्र प्रसंस्करण एवं समय पर वितरण सुनिश्चित किया जा सके। विभाग ने यह भी अनुरोध किया है कि राखी के लिफाफे पर प्राप्तकर्ता का पूरा पता, पिनकोड सहित स्पष्ट एवं साफ अक्षरों में लिखा जाए, जिससे डाक वितरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा, प्रधान डाकघर रायगढ़ में राखी डाक स्वीकार करने के लिए विशेष काउंटर भी बनाए गए हैं, जहां नागरिक अपनी राखियां आसानी से जमा कर सकते हैं। भारतीय डाक विभाग ने विश्वास व्यक्त किया है कि अपनी सुदृढ़ एवं व्यापक डाक व्यवस्था के माध्यम से इस वर्ष भी रक्षाबंधन के अवसर पर लाखों बहनों के स्नेह का प्रतीक राखियां समय पर उनके भाइयों तक पहुंचाई जाएंगी।

जिले में 579.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 7 अगस्त । रायगढ़ जिले में 5 अगस्त तक 579.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 13.8 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 740.7 मिली मीटर, पुसौर में 628.1, खरसिया में 516.8, घरघोड़ा में 395.8, तमनार में 788.9, लैलूंगा में 483.8, मुकडेगा में 443.5, धरमजयगढ़ में 376.6, छाल में 656.4 एवं कापू में 762.3 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

तमनार और कापू के एनआरसी से सैकड़ों बच्चों को मिला नया जीवन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रयासों से रायगढ़ जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तमनार एवं धरमजयगढ़ विकासखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कापू में जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) मद से संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। यहां बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख, पौष्टिक आहार, निःशुल्क उपचार एवं दवाइयों के साथ उनकी माताओं को आर्थिक सहायता, आवास और पोषण संबंधी प्रशिक्षण जैसी समग्र सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन दोनों केंद्रों के माध्यम से अब तक 456 गंभीर कुपोषित बच्चों को उपचार एवं पोषण पुनर्वास का लाभ मिल चुका है, जिससे ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण के खिलाफ चल रहे अभियान को नई मजबूती मिली है।

जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) से स्वीकृत राशि के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तमनार में पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) का संचालन किया जा रहा है। 29.48 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से संचालित इस केंद्र में अब तक 367 गंभीर कुपोषित बच्चों को भर्ती कर उपचार एवं पोषण पुनर्वास का लाभ दिया गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख, पौष्टिक आहार और समुचित उपचार से बच्चों के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा उन्हें स्वस्थ जीवन की मुख्यधारा से जोड़ने में सफलता मिली है। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कापू में भी डीएमएफ मद से संचालित एनआरसी गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। लगभग 25 लाख रुपये की लागत से संचालित इस केंद्र में अब तक 89 बच्चों को भर्ती कर उपचार प्रदान किया गया। इनमें 73 बच्चे पूर्णतः स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए, जबकि 16 बच्चों का उपचार जारी है। उपचार प्राप्त बच्चों में 41 बालक एवं 48 बालिकाएं शामिल हैं। केंद्र में 74 माताओं ने अपने बच्चों के साथ रहकर उपचार प्रक्रिया में भागीदारी निभाई तथा बेड ऑक्यूपेंसी दर 100 प्रतिशत दर्ज की गई, जो केंद्र के प्रभावी संचालन को दर्शाती है। एनआरसी केंद्रों में भर्ती बच्चों के साथ रहने वाली माताओं को सरकार की ओर से 2,250 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, ताकि उपचार अवधि के दौरान उनकी मजदूरी या आजीविका प्रभावित न हो। इसके साथ ही उनके लिए निःशुल्क आवास, दिन में दो बार पौष्टिक भोजन एवं नाश्ते की व्यवस्था की जाती है। बच्चों को भर्ती अवधि के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त एवं मूत्र जांच, एक्स-रे, आवश्यक दवाइयां तथा अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। गंभीर कुपोषित बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए उन्हें विशेष एफ-75 एवं एफ-100 थैरेप्यूटिक मिल्क फॉर्मूला, पौष्टिक दलिया, खिचड़ी एवं अन्य संतुलित पोषण आहार दिया जाता है, जिससे उनका वजन तेजी से बढ़ सके। वहीं माताओं को शिशु देखभाल, स्तनपान, स्वच्छता, पोषण प्रबंधन तथा कम लागत में पौष्टिक आहार तैयार करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इससे घर लौटने के बाद भी बच्चे स्वस्थ रहें और दोबारा कुपोषण का शिकार न हों, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। उपचार के बाद बच्चों का नियमित फॉलोअप भी किया जाता है। समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के लिए उन्हें पुनः अस्पताल बुलाया जाता है, ताकि उनके शारीरिक विकास पर सतत निगरानी रखी जा सके और आवश्यकता अनुसार चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जा सके।

पीएम आवास योजना से बदली दासरथी के परिवार की जिंदगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 अगस्त। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल एक आवासीय योजना नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगढ़ निवासी दासरथी गुप्ता, पति गाडाराय गुप्ता का परिवार भी इस योजना से लाभान्वित होकर आज पक्के आवास में जीवन व्यतीत कर रहा है।

तमनार जनपद पंचायत मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर तथा जिला मुख्यालय रायगढ़ से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत देवगढ़ में निवासरत अन्य पिछड़ा वर्ग के दासरथी गुप्ता का परिवार लंबे समय तक जर्जर और कच्चे मकान में रहने को विवश था। परिवार की आजीविका खेती-बाड़ी और सब्जी बेचने पर निर्भर थी। सीमित आय से दैनिक जरूरतों की पूर्ति और बच्चों का पालन-पोषण करना ही बड़ी चुनौती थी, ऐसे में पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं हो पा रहा था। ग्रामीण क्षेत्र में हर वर्ष तेज बारिश और आंधी के कारण उनके कच्चे मकान को नुकसान पहुंचता था। घर की लगातार मरम्मत में आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाता था, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति और अधिक प्रभावित होती थी तथा सुरक्षित आवास की चिंता हमेशा बनी रहती थी।वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत दासरथी गुप्ता के नाम आवास स्वीकृत हुआ। शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता के माध्यम से उन्होंने अपना पक्का मकान तैयार किया। अब उनका परिवार स्वच्छ, सुरक्षित और गरिमापूर्ण वातावरण में रह रहा है। दासरथी गुप्ता ने बताया कि योजना के तहत मिला पक्का आवास उनके परिवार के लिए सुरक्षा के साथ-साथ सम्मान और खुशियों का भी आधार बना है।

जिले भर में 10 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

कांकेर, 7 अगस्त । कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन 10 अगस्त को किया जाएगा। वहीं, जो बच्चे इस दिन कृमिनाशक दवा लेने से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 17 अगस्त को आयोजित मॉप-अप दिवस पर एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। अभियान के तहत जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों, शासकीय महाविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 3,23,375 पंजीकृत एवं शाला त्यागी बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

परीक्षण

शासकीय स्कूल नरहरपुर में चलाया गया स्टॉप डायरिया कैम्पेन

कांकेर 7 अगस्त । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखण्ड मुख्यालय नरहरपुर के शासकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल में स्टॉप डायरिया कैंपेन आयोजित किया गया। अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं को डायरिया सहित वर्षाकाल में फैलने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रभावी उपाय बताए गए। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने शुद्ध पेयजल का उपयोग, ताजा एवं गर्म भोजन का सेवन, नियमित साफ-सफाई, घर के आसपास जलभराव रोकने तथा मच्छरदानी के उपयोग का महत्व समझाया। विद्यार्थियों को बुखार, मलेरिया, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उपचार कराने की सलाह दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को जल संरक्षण और जल गुणवत्ता परीक्षण की जानकारी भी दी गई।

15 ग्राम पंचायत भवनों में आधार केंद्र संचालन के ऑपरेटरों की भर्ती के लिए 17 अगस्त तक आवेदन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 अगस्त । जिले में आम नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं उनके निकटतम शासकीय कार्यालयों में उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी रायगढ़ द्वारा जिले के 15 शासकीय कार्यालयों में आधार केंद्र संचालन के लिए 15 आधार संचालकध्ऑपरेटरों के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए है। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियों सहित स्पीड पोस्ट के माध्यम से 17 अगस्त 2026 की शाम 5 बजे तक कार्यालय कलेक्टर, जिला रायगढ़, जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, कक्ष क्रमांक-46, जिला रायगढ़ पिन-496001 के पते पर भेजना होगा। निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृत जानकारी जिले के अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अंदरूनी क्षेत्र की ग्राम पंचायत गवाड़ी में विशेष आधार शिविर आयोजित

कांकेर, 7 अगस्त । बस्तर मुन्ने अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा अंतागढ़ विकासखंड अंतर्गत अंदरूनी क्षेत्र के ग्राम पंचायत गवाड़ी में विशेष आधार नामांकन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे बच्चों का आधार नामांकन जिनका अब तक आधार कार्ड नहीं बन है उनका आधार सुनिश्चित करना है। शिविर में आधार ऑपरेटरों द्वारा बच्चों का आधार नामांकन सरल एवं सुगम तरीके से किया जा रहा है।

ग्राम विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरपंचों को दिया जा रहा व्यवहारिक प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 अगस्त । ग्रामीण विकास को नई दिशा देने और वीबी-जीराम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत रायगढ़ द्वारा नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए विशेष क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 3 से 10 अगस्त तक चलने वाले इस चरणबद्ध प्रशिक्षण में जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों के लगभग 550 नवनिर्वाचित सरपंच भाग ले रहे हैं। सचिव प्रशिक्षण संस्थान, टी.वी. टॉवर रोड, रायगढ़ में प्रतिदिन प्रातः 11 बजे आयोजित हो रहे इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं परिणामोन्मुख ग्राम विकास की अवधारणा से जोड़ना है, ताकि वे अपने ग्रामों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी विकास योजनाएं तैयार कर सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विकसित भारत वीबी-जीराम जी योजना के उद्देश्य, प्रावधान, अनुमेय कार्यों तथा ग्राम पंचायतों में रोजगार सृजन, आजीविका संवर्धन और टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नीला राम पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन सहायक परियोजना अधिकारी श्री ऋषि गणेशन नायक, तकनीकी समन्वयक श्री आशुतोष श्रीवास्तव तथा जिला प्रोग्रामर श्री अभिषेक दांडेकर द्वारा किया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा सरपंचों को व्यवहारिक उदाहरणों एवं तकनीकी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से योजना के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जा रहा है।प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत विकास योजना के वैज्ञानिक एवं साक्ष्य-आधारित निर्माण, जीआईएस आधारित योजना निर्माण, संसाधन मानचित्रण, पीएम गतिशक्ति प्लेटफॉर्म, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा विभिन्न विभागों के अभिसरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही सरपंचों को यह भी बताया जा रहा है कि किस प्रकार उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर ग्राम पंचायतों में टिकाऊ एवं जनहितकारी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जा सकता है। प्रशिक्षण में विकसित भारत जी-राम योजना के चार प्रमुख स्तंभ- जल सुरक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना, ग्रामीण आजीविका तथा आपदा न्यूनीकरण पर विशेष रूप से चर्चा की जा रही है। इसके साथ ही योजना के छह प्रमुख फोकस क्षेत्रों- जल संरक्षण, सिंचाई, भू-जल पुनर्भरण, जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, वाटरशेड विकास तथा वनीकरण के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं ग्राम पंचायतों में स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण की रणनीतियों से भी सरपंचों को अवगत कराया जा रहा है।प्रशिक्षण के दौरान 125 दिनों की रोजगार गारंटी, पंचायत सशक्तिकरण, विकास, विभागीय समन्वय तथा परिसंपत्तियों के परिपक्व विकास जैसे विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञों ने बताया कि योजना का उद्देश्य केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, सहभागी एवं दीर्घकालिक विकास की दिशा में सक्षम बनाना भी है। कार्यक्रम में जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, ग्रामीण अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, महिला सहभागिता को बढ़ावा तथा सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इससे पंचायत प्रतिनिधियों की प्रशासनिक एवं तकनीकी क्षमता विकसित होगी और वे अपने ग्रामों की आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर, पारदर्शी एवं साक्ष्य-आधारित विकास योजनाएं तैयार कर प्रभावी ढंग से उनका क्रियान्वयन कर सकेंगे। जिला

टेकारी में शाला परिवार के साथ जनप्रतिनिधियों ने खेल मैदान में पौधे लगाए

रायपुर,7 अगस्त। विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय आरंग के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकारी (कुंडा) में विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत खेल मैदान में 5 अगस्त को वृक्षारोपण किया गया जिसमें शाला परिवार के साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया । इस अवसर पर खेल मैदान में ग्राम के कतिपय असामाजिक तत्वों सहित उनके बुलावे पर आने वाले बाहरी असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब व गांजा पीने - पिलाने की लगातार मिल रही शिकायतों के परिप्रेक्ष्य में मैदान के गेट में ताला लगाने व ऐसे तत्वों के खिलाफ ग्रामीण व्यवस्था के साथ - साथ पुलिसिया कार्यवाही भी कराने का निर्णय लिया गया और साथ ही खिलाडियों को इस मैदान का ग्रामीण व्यवस्था के तहत उपयोग करते रहने की भी छूट देने का निर्णय लिया गया। साथ ही इस मैदान में अनाधिकृत प्रवेश करने व शाम ढलने के बाद पाये जाने वालों को अंतिम चेतावनी भी दी गयी । साथ ही समय - समय पर ग्रामीणों द्वारा औचक छापामारी का? निर्णय भी लिया गया । ज्ञातव्य हो कि ग्राम का प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक शाला सहित खेल मैदान ग्राम के बाहर नारा मार्ग पर स्थित है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगौद में किया गया साइकिल वितरण

अंवरी, 7 अगस्त। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगौद में 4 अगस्त को निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं के पात्र 20 छात्राओं को सायकल वितरित किया गया द्य इस अवसर पर शाला समिति अध्यक्ष श्री देवेन्द्र साहू , सरपंच श्रीमती दशोदा साहू, उपसरपंच श्री ईश्वर साहू श्री कमलेश साहू,पालकगण, प्राचार्य श्री टी. के. चन्द्राकर एवं शिक्षकगण श्री जी. के. साहू, श्री विकास गौर, श्री एन. आर. साहू, श्री के. के. साहू, संकुल समन्वयक श्री टी. आर. साहू, श्रीमती श्रीमती अनामिका चन्द्राकर, श्रीमती तेजीन बैस, कु. डालेश्वरी निर्मलकर, लेवेंद्र ध्रुव, माखन पटेल उपस्थित रहे।

ग्राम देवीनवागांव में 18 अगस्त और करकापाल में 20 अगस्त को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर

कांकेर, 7 अगस्त । कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार आमजनता की शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम देवीनवागांव में 18 अगस्त मंगलवार को और दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के ग्राम करकापाल (नेलचांग) में 20 अगस्त को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आम जनता की समस्या व शिकायतों का निराकरण किया जावेगा।

मिशन उत्कर्ष के तहत जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में मासिक टेस्ट शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,7 अगस्त। जिले में शिक्षा की गुणवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने एवं बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित करने के उ?द्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा संचालित मिशन उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 5 अगस्त 2026 से कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए प्रथम मासिक टेस्ट प्रारम्भ किया गया है। यह परीक्षा कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले के सभी शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में एक साथ आयोजित की जा रही है।

मिशन उत्कर्ष जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, वि?द्यार्थियों की विषयगत समझ विकसित करने तथा बोर्ड परीक्षाओं की प्रभावी एवं व्यवस्थित तैयारी कराने के उद्देश्य से संचालित एक महत्वाकांक्षी अभियान है। इस

अभियान के अंतर्गत वि?द्यार्थियों की नियमित शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए मासिक परीक्षाओं की श्रृंखला प्रारंभ की गई है। प्रथम मासिक टेस्ट इसी श्रृंखला की पहली कड़ी है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों की तैयारी का आकलन कर आवश्यक शैक्षणिक सुधार की दिशा में कार्य किया जाएगा।

जिले के विषय विशेषज्ञ शिक्षकों एवं प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी द्वारा बोर्ड परीक्षा के ब्लूप्रिंट एवं पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रश्नपत्र तैयार किए गए हैं। परीक्षा के पश्चात उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर विद्यार्थियों को उनकी विषयवार उपलब्धियों एवं कमियों से अवगत कराया जाएगा, जिससे वे समय रहते आवश्यक सुधार कर सकें। जिन विद्यार्थियों को किसी विषय में अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता होगी, उनके लिए विशेष मार्गदर्शन एवं उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था भी की जाएगी।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सभी प्राचार्यों, शिक्षकों, वि?द्यार्थियों एवं अभिभावकों से मिशन उत्कर्ष को जन-आंदोलन के रूप में सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने सभी विद्यालयों को परीक्षा का निष्पक्ष, व्यवस्थित एवं समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मिशन उत्कर्ष के माध्यम से जिला प्रशासन का लक्ष्य केवल बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित शैक्षणिक मार्गदर्शन तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना भी है।

एक नजर

प्रोजेक्ट पुनर्जीवन से 1622 ट्री गार्ड हटाए गए

रायपुर 7 अगस्त। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर रायपुर जिला प्रशासन के जनप्रिय पर्यावरण हितकारी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की अभिनव योजना के अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिह के मार्गनिर्देशन में पिछ्ले दिनों छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा पर्यावरण संरक्षण कार्य को लेकर व्यक्त की गई गहन चिता के तत्काल पश्चात से रायपुर जिला क्षेत्र अतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में आयुक्त श्री संबित मिश्रा के मार्गनिर्देशन में सभी 10 जोन कमिश्नरों द्वारा सतत मॉनिटरिंग कर प्रतिदिन नियमित अपने- अपने जोन क्षेत्र के सभी वार्डो में ऐसे सभी पौधों को चिन्हित करने का कार्य किया गया , जो पूर्व में चारों ओर से ट्री गार्ड एवं कांक्रीट के घेरों पेवर में घिरे हुए होने के कारण प्राकृतिक रूप से विकसित नहीं हो पा रहे थे । ऐसे समस्त पौधों को चिन्हित करके प्राकृतिक रूप से स्वतः विकसित होने एवं स्वयं मिट्टी, पानी प्राप्त करने पर्यावरण हितैषी वातावरण देने इन सभी पौधों को चारों ओर से घेरकर लगाये गये ट्री गार्ड और कांक्रीट के घेरों पेवर को हटाने का कार्य रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी 10 जोनों में निरन्तरता के साथ तेज गति से समाजहित में पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से करवाया गया। विभिन्न जोनों के भिन्न क्षेत्रों के स्थानों में इन सभी चिन्हित पौधों को समाज हित में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से चारों ओर कॉंक्रीट के घेरे पेवर लगाकर लगाए गए लगभग 1622 ट्री गार्ड और लगभग 362 कांकिट के घेरों पेवर को समस्त जोन कमिश्नरों द्वारा वहां पहुंचकर हटवाये जाने का कार्य तेजी के साथ करवाया एवं सभी जोन कमिश्नर अपने जोन क्षेत्र में ऐसे सभी पौधों को स्वतः विकसित होने पानी प्राप्त कर सकने आवश्यक पर्यावरण हितैषी वातावरण कायम करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया गया ।

नगर निगम ने व्यवसायी पर ठोका 25 हजार का जुर्माना

रायपुर 7 अगस्त। आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग को मुख्य मार्ग के किनारे व्यवसायिक परिसर द्वारा भारी मात्रा में मलमा डाले जाने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा द्वारा दिए गए निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा के मार्गनिर्देशन एवं जोन 9 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री बारोन बंजारे, श्री उमेश नामदेव, स्वच्छता निरीक्षक श्री भोला तिवारी की उपस्थिति में नगर निगम जोन 9 क्षेत्र अंतर्गत व्हीआईपी रोड में मुख्य सड़क मार्ग के किनारे बेबीलान टावर के समीप वस्तुस्थिति की जानकारी लेने किये गए औचक निरीक्षण के दौरान स्थल पर मुख्य मार्ग व्हीआईपी रोड के किनारे व्यवसायिक परिसर द्वारा भारी मात्रा में मलमा डाला जाना पाया गया एवं प्राप्त जनशिकायत सम्बंधित स्थल पर पूरी तरह से सही पायी गयी. इस पर नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर द्वारा दिए गए निर्देशानुसार नगर निगम जोन 9 जोन स्वास्थ्य अधिकारी द्वय द्वारा स्वच्छता निरीक्षक की उपस्थिति में सम्बंधित व्यवसायिक परिसर के संचालक जसवीर सिंह खनूजा को भविष्य के लिए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए नगर निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग द्वारा तत्काल सम्बंधित व्यवसायी पर 25000 रूपये का ई जुर्माना किया गया एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

छत्तीसगढ़ का समाज कल्याण मॉडल जरूरतमंदों के लिए संजीवनी बना

रायपुर,7 अगस्त। भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्पष्ट हो चुका है कि वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का कोई भी वर्ग पीछे न छूटे। सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन, सुगम अवसर और आत्मनिर्भरताकृये चार स्तंभ किसी भी आधुनिक कल्याणकारी राज्य की पहचान होते हैं। छत्तीसगढ़ ने पिछले ढाई वर्षों में इन्हीं मूल्यों को केंद्र में रखकर समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में राज्य ने दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, विधवा एवं परित्यक्त महिलाओं, उभयलिंगी व्यक्तियों और अन्य जरूरतमंद वर्गों के लिए ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित की हैं, जिन्होंने सामाजिक न्याय को प्रशासनिक प्राथमिकता के रूप में स्थापित किया है। दिसंबर 2023 से जून 2026 के बीच की उपलब्धियाँ इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करती हैं।

राज्य की पेंशन योजनाएँ आज लाखों परिवारों के लिए आर्थिक संबल बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री पेंशन योजना के लाभार्थियों की संख्या 7.10 लाख से बढ़कर 7.56 लाख हो गई है। वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांगजन, सामाजिक सुरक्षा और सुखद सहारा जैसी योजनाओं को मिलाकर 21.73 लाख से अधिक नागरिक नियमित सहायता प्राप्त कर रहे हैं।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता इसका डिजिटल सशक्तीकरण है। लगभग 96 प्रतिशत हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भुगतान

किया जा रहा है और आधार सीडिंग का कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है। ई-केवाईसी आधारित सत्यापन ने अपात्र प्रविष्टियों को हटाकर व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और विश्वसनीय बनाया है।

छत्तीसगढ़ ने दिव्यांगजन कल्याण को दान या सहायता की दृष्टि से नहीं, बल्कि अधिकार और समान अवसर के दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया है। विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) धारकों की संख्या 2.44 लाख से बढ़कर 2.77 लाख हो गई है। कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण योजना में लाभार्थियों की संख्या 1,161 से बढ़कर 17,038 तक पहुँचना राज्य की सक्रिय पहुँच और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। सामर्थ्य विकास योजना के माध्यम से कौशल, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया गया है। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का विस्तार विशेष रूप से उल्लेखनीय है। राज्य छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 14 हजार से अधिक हो गई है। इससे स्पष्ट है कि राज्य शिक्षा को दिव्यांगजन सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम मान रहा है।फिजिकल रिफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर, स्पेशल पाली क्लिनिक और विशेष विद्यालयों के विस्तार ने स्वास्थ्य, शिक्षा और पुनर्वास सेवाओं को एकीकृत स्वरूप प्रदान किया है। बढ़ती वृद्धजन आबादी के बीच छत्तीसगढ़ ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए संवेदनशील सहायता तंत्र विकसित किया है। वृद्धाश्रमों, आश्रय गृहों और देखरेख संस्थाओं की क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ सियान हेल्पलाइन (155326) को प्रभावी सहायता मंच के रूप में विकसित किया गया है।इस हेल्पलाइन पर प्राप्त कॉलों की संख्या 1.14 लाख से बढ़कर 2.87 लाख तक पहुँच गई है। यह केवल आँकड़ा नहीं, बल्कि बुजुर्ग नागरिकों के बढ़ते विश्वास और प्रशासन की सक्रिय पहुँच का संकेत है। समाज कल्याण विभाग ने नशामुक्ति को स्वास्थ्य और सामाजिक पुनर्वास दोनों से जोड़कर देखा है। भारत माता वाहिनी योजना के अंतर्गत संचालित नशामुक्ति केंद्रों की संख्या 11 से बढ़कर 29 हो गई है, जबकि लाभार्थियों की संख्या 1,967 से बढ़कर 5,220 तक पहुँच गई है।

इन केंद्रों में उपचार के साथ परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक पुनर्स्थापन की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे प्रभावित व्यक्तियों को पुनः सम्मानजनक जीवन की मुख्यधारा में लौटने का अवसर मिल रहा है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम और 'एक्सेसिबल इंडिया अभियान' की भावना को आगे बढ़ाते हुए राज्य ने सुगम्य छत्तीसगढ़ अभियान प्रारंभ किया है। सार्वजनिक भवनों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य सरकारी परिसरों को दिव्यांग-अनुकूल बनाने की दिशा में व्यवस्थित कार्य किया जा रहा है।यह पहल केवल रैंप या भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन सेवाओं को सभी नागरिकों के लिए सुलभ बनाने की व्यापक सोच का हिस्सा है। दिव्यांगजनों के अधिकारों की प्रभावी निगरानी के लिए आयुक्त राज्य के नवीन पद की स्वीकृति इस दिशा में दूरदर्शी प्रशासनिक पहल मानी जा रही है। कल्याणकारी योजनाओं की स्थिर सफलता के लिए मजबूत संस्थागत ढाँचा आवश्यक होता है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने विशेष विद्यालय, माना कैंप रायपुर के भवन निर्माण, दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालयों के उन्नयन, फिजिकल रिहैबिलिटेशन सेंटर के विस्तार, दिव्यांगजन वित्त विकास निगम के माध्यम से ऋण वितरण तथा नशामुक्ति केंद्रों के सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए हैं।

छत्तीसगढ़ सर्व रविदास समाज ने सीएम साय के प्रति आभार व्यक्त किया

रायपुर 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ प्रदेश में निवास रत संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के लाखों अनुयायियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए विगत 25 वर्षों से लगातार की जा रही मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650 की जयंती वर्ष के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश की यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णु देव साय जी द्वारा समाज हित में अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है इसके लिए छत्तीसगढ़ सर्व रविदास समाज माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करता है तथा अपेक्षा रखता है कि इस समाज के उत्तरोत्तर विकास के लिए सरकार हमेशा सकारात्मक प्रयास करती रहेगी समाज की कई वर्षों की लंबित मांगों जिसमें प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ में संत रविदास जी की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा गुरु रविदास जी के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में संत रविदास जी का संदेश अंकित किया जाना नया रायपुर के एक प्रमुख चौक का नामकरण संत गुरु रविदास जी के नाम पर रखा जाना एवं जयंती के अवसर पर मांस एवं मदिरा बंद रखने की प्रमुख घोषणाओं से प्रदेश के लाखों अनुयाई पुनः मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं

जन्म मानस में समरसता शिक्षा और सामाजिक सद्भाव की भावना को और अधिक मजबूती से प्रवाह को गति मिलेगी इन घोषणाओं से समाज का सम्मान शासन द्वारा किया गया है इस ऐतिहासिक पहल पर संत रविदास जी के विचारों और आदर्श का अनुसरण कर हम सभी

रविदास जी के बताए मार्ग का अनुसरण करेंगे माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया गया है जिसमें डॉक्टर के एल टांडेकर प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर एस के एस गजेंद्र संरक्षक डॉक्टर एस आर कनोजे संरक्षक श्री टी आर बांधेकर संरक्षक श्री नेतराम भोंडेकर संरक्षक श्री टी आर रामेकर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री किशोर कन्नौज प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती आशा मनघटे प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री बिपताराम रवि प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री के एल सोनवानी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम मालेकर प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बालाराम कोलते प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती दुर्गा अहिरवार प्रदेश उपाध्यक्ष श्री महेश चौहान प्रदेश महासचिव श्री पी आर झाडे प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती आरती मराठे प्रदेश सलाहकार श्री रामेश्वर राठौड़ प्रदेश संयोजक श्री आर पी ती लॉजकर कोषाध्यक्ष श्री निर्मल खरे प्रदेश ऑडिटर श्री गांधी तनय टांडिया श्री विजय चोरे श्री अरविंद कुमरे जिला अध्यक्ष रायपुर श्री रामखेलावन लांजेकर सांस्कृतिक सचिव श्री हरीश टांडेकर कार्यकारिणी सदस्य एवं समस्त छ ग सर्व रविदास समाज के अनुयायियों की ओर से मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत आभार।

मुख्यमंत्री ने की जनसंपर्क विभाग के 'मुस्कुराता बस्तर' पहल की सराहना

रायपुर 7 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में कार्टून वॉच के संपादक श्री त्र्यंबक शर्मा ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को बस्तर में आयोजित 'मुस्कुराता बस्तर' अभियान के अंतर्गत कार्टून प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यशाला की विस्तृत जानकारी दी तथा इस अभिनव पहल पर आधारित स्मारिका भी भेंट की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कहा कि कला समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी के व्यक्तित्व निर्माण का प्रभावी माध्यम है। कार्टून केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों को सरल, सहज और प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करने की सशक्त विधा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो उनमें आत्मविश्वास, संवेदनशीलता, तार्किक सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कला, साहित्य, खेल और संस्कृति जैसी गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिकाधिक विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके।

उल्लेखनीय है कि जनसंपर्क विभाग और कार्टून वॉच के द्वारा 'मुस्कुराता बस्तर' अभियान के तहत जगदलपुर सहित बस्तर अंचल के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्टून प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कार्टूनिस्टों ने बच्चों को कार्टून कला की बारीकियों, रेखांकन, व्यंग्य की अभिव्यक्ति, दृश्य संप्रेषण और रचनात्मक सोच के विविध आयामों से परिचित कराया। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को अपनी कल्पनाशीलता को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त करने तथा सामाजिक विषयों पर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

एनालॉग पनीर निर्माण व विक्रय प्रतिबंधित,खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने चलाया सघन जांच अभियान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,7 अगस्त। छत्तीसगढ़ शासन खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी हालिया प्रतिषेध आदेश के तहत राज्य में फ्रोजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज़ और मिक्स्ड फेट स्प्रेड जैसी मानकीकृत श्रेणियों को छोड़कर असली पनीर की नकल करने बाले सभी वनस्पति वसायुक्त गैर-दुग्ध एनालॉग पनीर के विनिर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी एवं दुग्ध संग्रहण केन्द्रों का सघन निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को भाटापारा के विभिन्न प्रतिष्ठानों में एनालॉग पनीर की उपलब्धता की सघन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान लाल बहादुर शास्त्री बार्ड, पटपर स्थित नर्मदा दूध संकलन केंद्र की भी जांच की गई, जहां परिसर में स्वच्छता संबंधी कमियां पाई गई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत प्रतिष्ठान को कड़ी चेतावनी के साथ सुधार नोटिस जारी किया गया है। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और डेयरी संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे असली डेयरी पनीर के नाम पर उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार का कृत्रिम या एनालॉग पनीर न परोसें। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशानुसार, जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा भाटापारा शहर में एक विशेष आई.ई.सी.गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छ, सुरक्षित और मानक ग्तर के खाद्य पदार्थों के विक्रय के प्रति जागरूक करना था। अभियान के दौरान साथ सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने भाटापारा शहर के विभिन्न मुख्य बाजारों, मिष्ठान भंडारों, डेयरी दुकानों, किराना स्टोर्स और होटल संचालकों से सीधा संपर्क किया।

स्टेडियम में जूनियर शतरंज स्पर्धा में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनानंदगाव 7 अगस्त। 8 अगस्त को आयोजित होने वाली 2 दिवसीय अंडर 19 जूनियर बालक बालिका शतरंज स्पर्धा दिग्विजय स्टेडियम हाल में दिग्विजय स्टेडियम समिति वा एलिगेंट कॉलेज के विशेष सहियोग से आयोजित की जा रही है इस स्पर्धा में 85शतरंज खिलाड़ियों ने भाग लिया, इसमे राजनांदगांव के अन्तराष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त शतरंज खिलाड़ी सालिक नवाज़ मनिहार, दुर्ग जिले से अंतराष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त शतरंज खिलाड़ी कु.परिधि लिल्हारे,एन.आर.सी.ए.संस्था से छुरिया से राहत कुरैशी, डोंगरगढ से लक्षिता राठी,राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी 7 वर्षीय कियारा श्री रेड्डी ,वा प्रतिभास्थली ज्ञानोदय स्कूल ,रॉयल किड्स,रायपुर,बालोद वा दुर्ग, से भी

इस स्पर्धा में शतरंज खिलाड़ि भाग ले रहे है.प्रतियोगिता कार्यक्रम के प्रभारी रामप्रसाद पाल ने बताया कि यह स्पर्धा 6 चक्रों में अंतराष्ट्रीय स्विस नियमो द्वारा खेली जाईगी.इस टूर्नामेंट के निर्णायक भिलाई के मिथलेश बंजारे होगे..प्रतियोगिता का समापन 9 अगस्त शाम 4.00 बजे. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि की उपस्थिति में किया जा ए गा.द् उक्त जानकारी एन.आर.सी.ए.संस्था के संयोजक मतीन खान द्वारा दी गई है।

नेत्र सहायक देंगे मंदिर अस्पताल में सेवाएं

डोंगरगढ़ 7 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति, डोंगरगढ़ द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी मंदिर चिकित्साल्य एवं अनुसंधान केन्द्र में, दिनांक 07.08.2026 से सोमवार से शनिवार समय प्रातः 10:00 बजे से संध्या 05:00 बजे तक श्री एस.के. तम्बोली नेत्र सहायक अधिकारी द्वारा आँखों की जांच किया जावेगा। श्री बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति डोंगरगढ़ ने अंचल के लोगों से इस स्वास्थ्य सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। मंदिर हास्पिटल में मरीज को लाने के पूर्व संबंधित डाक्टर के विषय में मोबाइल नंबर 94252 05917 में काल कर अवश्य जानकारी प्राप्त कर लेवें।

रायपुर 7 अगस्त। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव जी से आज गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और ईश्वर से उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

आयुर्वेद चिकित्सा की बारीकियों से वाकिफ हुए छात्र, औषधि निर्माण से अस्पताल तक का किया अध्ययन

रायपुर 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में द्वितीय प्रोफेशनल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को ओडिशा के बरगढ़ जिले के पैकमल स्थित श्री श्री नृसिंह नाथ आयुर्वेदिक कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ले जाया गया, जहां उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सा, औषधियों के निर्माण और अस्पताल की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की आयुर्वेदिक औषधियों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें प्रयोगशाला का भ्रमण कराया गया, जहां आयुर्वेदिक दवाइयों के निर्माण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला। इसके बाद विद्यार्थियों ने अस्पताल का भी भ्रमण किया और वहां उपचार के लिए आए अनेक मरीजों से मुलाकात कर आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के व्यावहारिक पक्ष को समझा। विद्यार्थियों ने कहा कि इस भ्रमण से उन्हें आयुर्वेद चिकित्सा को किताबों से बाहर व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। उन्होंने इसे अपने अध्ययन और भविष्य के चिकित्सकीय जीवन के लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताया। विद्यार्थियों ने कहा कि वे स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं कि उनके गुरुओं ने उन्हें इस तरह के महत्वपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण का अवसर प्रदान किया, जिससे उन्हें आयुर्वेद चिकित्सा के बारे में बहुत कुछ नया सीखने को मिला। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के लिए कॉलेज के शिक्षक डॉ. विमल कुमार बरेठ, डॉ. अनिल कुमार पैकरा, डॉ. नीरज कुमार साहू, डॉ. निसर्ग आरएम एवं डॉ. मोनिका वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्र प्रतिनिधि श्री कर्तव्य पांडेय एवं मुकेश चंद्रवंशी का विशेष योगदान रहा। विशेष रूप से कर्तव्य पांडेय इसी क्षेत्र के रहने वाले हैं, जिसके चलते स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करने, आवश्यक जानकारी प्राप्त करने और विद्यार्थियों के लिए भ्रमण को सहज एवं सुविधाजनक बनाने में काफी मदद मिली। उनके स्थानीय संपर्क और सहयोग से पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं कॉलेज प्रतिनिधिमंडल को बेहतर समन्वय प्राप्त हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके इस योगदान की सराहना की गई।शैक्षणिक भ्रमण के साथ विद्यार्थियों ने धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों का भी भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने भगवान नृसिंह नाथ मंदिर पहुंचकर श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इसके बाद सभी विद्यार्थी कपिल धारा पहाड़ पहुंचे, जहां उन्होंने प्राकृतिक वातावरण का आनंद लिया। इस पूरे भ्रमण ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति, औषधि निर्माण, अस्पताल में उपचार की प्रक्रिया और मरीजों के साथ चिकित्सकीय व्यवहार को करीब से समझने का अवसर दिया। विद्यार्थियों ने इस अनुभव को अपने शैक्षणिक जीवन की यादगार और ज्ञानवर्धक यात्रा बताया।

एक नजर

अनुसूचित जनजाति समुदाय यूसीसी के दायरे से रहेगा बाहर : शर्मा

रायपुर, 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता को लेकर डिप्टी मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यूसीसी ऐसा विषय है, जिस पर समाज में व्यापक चर्चा होती है और सरकार सभी पक्षों की राय लेकर आगे बढ़ रही है. उन्होंने आगे कहा कि अनुसूचित जनजाति समुदाय को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा. शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जनजाति समुदाय को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा. वहीं, अन्य समाजों के लिए एक समान कानून लागू करने का प्रावधान रखा जाएगा. उन्होंने कहा कि ष्ट के मसौदे पर काम जारी है. इसके लिए समिति का गठन किया गया है, जो विभिन्न वर्गों से सुझाव और फीडबैक लेकर अपनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है. सरकार का उद्देश्य सभी पक्षों की राय को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना है.

आहूजा ने किया पौधारोपण

रायपुर, 7 अगस्त। नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष पूर्व पार्षद रमेश आहूजा ने प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान एक पेड़ मां के नाम से प्रभावित होकर नहर पारा के डिवाइडर में पेड़ लगाया। इस अवसर पर संरक्षक शंकर दानवानी व कोषाध्यक्ष अमर वालेचा, गोपाल उत्तमानी उपस्थित थे।

इनरव्हील क्लब ने मेकाहारा को प्रदान की व्हील चेयर

रायपुर, 7 अगस्त। इनर व्हील क्लब ऑफरायपुर ग्रेटर द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा), रायपुर में समाज सेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित तीन सेवा प्रकल्प आयोजित किए गए। इन प्रकल्पों के माध्यम से कैंसर मरीजों, नवप्रसूता माताओं एवं नवजात शिशुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। प्रथम प्रकल्प के अंतर्गत ऑन्कोलॉजी विभाग को मरीजों की सुविधा के लिए दो व्हीलचेयर भेंट की गईं। द्वितीय प्रकल्प में विभाग को 10 इमरजेंसी रिचार्जेबल बल्ब प्रदान किए गए, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों की देखभाल सुचारु रूप से हो सके। इस अवसर पर क्लब की प्रेसिडेंट पूजा अग्रवाल, पी.पी. संगीता गोयल, पी.पी. पूजा जैन, पी.पी. नम्रता दुबे, श्रीमती चंद्रिका नागवंशी एवं सेक्रेटरी नेहा अग्रवाल उपस्थित रहीं। इनर व्हील क्लब ऑफरायपुर ग्रेटर भविष्य में भी सेवा, संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनहित में ऐसे प्रकल्प आयोजित करता रहेगा।

दो आबकारी उप निरीक्षक निलंबित

रायपुर, 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ के आबकारी आयुक्त ने राज्य के विभिन्न जिलों में शराब दुकानों में निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री और नियंत्रण में लापरवाही के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए दो आबकारी उप निरीक्षकों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। वहीं एक एडीईओ निलोफर जैन के खिलाफआवश्यक कार्रवाई के लिए अनुशंसा भी की गई है। निलंबित अधिकारियों में बालोद जिले के गुरूर के आशाराम शाक्य (आबकारी उप निरीक्षक) और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम रोहासी स्थित देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान के प्रभारी पी.माधव राव (आबकारी उप निरीक्षक) शामिल हैं। निलोफर जैन सहायक जिला आबकारी अधिकारी, जिसे देश कम्पोजिट मदिरा दुकान अरकार जिला बालोद के प्रभारी सह मंडल प्रभारी का दायित्व था, उनके शिथिल नियंत्रण, कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कारण आबकारी आयुक्त ने उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए सचिव वाणिज्यिक-कर (आबकारी) विभाग को पत्र जारी किया है।

हनुमान मंदिर तोड़े जाने के विरोध में बजरंग दल का प्रदर्शन

रायपुर, 7 अगस्त। राजधानी के कापा मोवा क्षेत्र में हनुमान मंदिर तोड़े जाने के विरोध में बजरंग दल का प्रदर्शन, मोवा-पंडरी थाने का किया घेराव, कार्रवाई पर जताया विरोध, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। जानकारी के अनुसार, रायपुर राजधानी के कापा-मोवा क्षेत्र में हनुमान मंदिर हटाए जाने की कार्रवाई के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और मोवा-पंडरी थाने का घेराव कर कार्रवाई के खिलाफविरोध दर्ज कराया।

बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 16 बच्चों का रेस्क्यू

रायपुर, 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ में बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के त्वरित हस्तक्षेप के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन और स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट की संयुक्त टीम ने महज डेढ़ घंटे के भीतर कार्रवाई करते हुए बच्चों को बस से बरामद किया। मामले में एक नियोक्ता को गिरफ्तार किया गया है, जबकि बच्चों को ले जाने वाले पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

सूचना मिलते ही आयोग ने लिया संज्ञान, शुरू किया गया अभियान : छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा को 5 अगस्त की शाम एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन की ओर से सूचना मिली थी कि रायपुर से कुछ बच्चों को बस के जरिए बाल श्रम के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट और चाइल्ड हेल्पलाइन के अधिकारियों से संपर्क किया। इसके बाद संयुक्त टीम ने अभियान शुरू किया और करीब डेढ़ घंटे के भीतर बस को रोककर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मशरूम फैक्ट्री में काम कराने के लिए ले जाने का आरोप: प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्चों को कचन्दूर स्थित मॉडर्न एग्रो मशरूम में काम कराने के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। इस मामले में नियोक्ता लक्ष्मण पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 143(2), 143(3), 143(5) और 111(1) के तहत कार्रवाई की जा रही है।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना देने की अपील: आयोग ने आम लोगों से अपील की है कि अगर कहीं भी बाल श्रम या बाल तस्करी से जुड़ी कोई जानकारी मिलती है तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या संबंधित विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते बच्चों को सुरक्षित बचाया जा सके।

बस में मिले 16 बच्चे, 7 बच्चे 14 से 16 वर्ष के

रेस्क्यू की गई टीम को बस में कुल 16 बच्चे मिले। इनमें 7 बच्चे 14 से 16 वर्ष आयु वर्ग के नाबालिग हैं। सभी बच्चे बैगा जनजाति से संबंधित बताए जा रहे हैं और राजनांदगांव तथा कबीरधाम जिले के रहने वाले हैं। रेस्क्यू के बाद सभी बच्चों को सुरक्षित बाल आश्रय गृह में रखा गया है। यहां बच्चों की काउंसलिंग के साथ-साथ उनकी देखभाल की जा रही है।

बाल श्रम और तस्करी के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति : आयोग

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाल श्रम, बाल तस्करी और बच्चों के शोषण से जुड़े मामलों में आयोग जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई करता है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रश्नपत्रों पर अडानी के लोगो पर मचा बवाल

रायपुर, 7 अगस्त। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सरकारी स्कूलों में आयोजित हालिया यूनिट टेस्ट (इकाई परीक्षा) के प्रश्न पत्रों को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। सरकारी स्कूलों के कक्षावार प्रश्न पत्रों के शीर्ष पर एक तरफ तो 'छत्तीसगढ़ शासन'का आधिकारिक प्रतीक चिन्ह अंकित है, वहीं दूसरी तरफ प्रमुख औद्योगिक समूह 'अडानी' (अडानी फाउंडेशन) का लोगो छापा गया है। इस घटना के बाद से राजनीतिक हलकों में यह सवाल तेजी से गूंज रहा है क्या राज्य की सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था अब कॉर्पोरेट स्पॉन्सर्ड हो गई है?

क्या है पूरा मामला?

रायपुर जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता सुधार या बुनियादी सामग्री के तहत विभिन्न निजी संस्थानों व फाउंडेशन के साथ समन्वय किया जाता है। इसी कड़ी में यूनिट टेस्ट के लिए प्रश्न पत्रों की छपाई या वितरण में अडानी फाउंडेशन के सहयोग की बात सामने आ रही है। हालांकि, सरकारी परीक्षाओं के गोपनीय एवं प्रशासनिक दस्तावेज माने जाने वाले 'प्रश्न पत्रों' पर ही किसी निजी औद्योगिक घराने का लोगो लगा देना पहली बार देखा गया है, जिसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

सीएसआर सहयोग बनाम कॉर्पोरेट ब्रांडिंग

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी का मुख्य उद्देश्य समाज कल्याण और बुनियादी ढांचा (जैसे बेंच, ब्लैकबोर्ड या पेयजल) सुधारना है। लेकिन क्या सीएसआर के नाम पर बच्चों के प्रश्न पत्र पर ब्रांडिंग करना जायज है?

adani Foundation
जिला प्रशासन (शिक्षा विभाग), रायपुर द्वारा संचालित
मिशन उत्कर्ष 2.0 | Monthly Unity Test - 2026
(सर्वोत्तम परिणाम है लक्ष्य रायपुर का)
Month - July 2026 | Class - X | Subject - विज्ञान | Time - 1 Hour | Total Marks - 30

विपक्ष और सामाजिक कार्यकर्ताओं का रुख

इस मुद्दे पर कॉंग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था का संचालन करने के बजाय उद्योगपतियों के ब्रांड प्रमोशन का जरिया बन गई है। क्या अब परीक्षाएं भी स्पॉन्सरशिप के आधार पर ली जाएंगी? छत्तीसगढ़ में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए निजी सहयोग कोई नई बात नहीं है, लेकिन 'सहयोग' और 'ब्रांडिंग' के बीच की पतली रेखा जब मिटने लगती है, तो प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल उठना लाजमी है। अब देखना यह होगा कि शिक्षा विभाग इस मामले पर क्या कड़ा कदम उठाता है और क्या भविष्य के लिए प्रश्न पत्रों की पवित्रता बनाए रखने के कोई सख्त नियम बनाए जाते हैं या नहीं।

मनरेगा को अप्रत्यक्ष रूप से बंद करने का षड़यंत्र किया जा रहा : दीपक बैज

रायपुर, 7 अगस्त। भाजपा सरकार मनरेगा के स्वरूप को बदलकर मजदूरों गरीबों के हक रोजी-रोटी को समाप्त करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अब मनरेगा की प्राथमिकता में रोजगार देना नहीं निर्माण कार्य है। मनरेगा को अप्रत्यक्ष रूप से बंद करने का षड़यंत्र किया जा रहा। मनरेगा में स्कूलों में शौचालय और मुक्तिधाम बनाने जा रहे, इन कामों में तो मजदूरों को रोजगार कम मिलेगा तथा ज्यादा खर्च निर्माण सामाग्री पर खर्च होगा। इस फैसले से मनरेगा शुरू करने का उद्देश्य समाप्त हो रहा है। अब मनरेगा के बजट का बड़ा हिस्सा 40 प्रतिशत मजदूरों के भुगतान पर नहीं सामाग्री खरीदने तथा मशीनों से काम पर होगा। इस योजना का उद्देश्य मजदूरों से काम करवा कर उनको रोजगार देना है न कि योजना मूलक योजना है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार जीरामजी योजना में मजदूरों का हक मार रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्र सरकार ने जब मनरेगा के स्वरूप को बदलकर जीरामजी किया तभी से यह अंदेशा व्यक्त किया जा रहा था कि इस योजना को भाजपा सरकार बंद करना चाह रही है। साय सरकार के फैसले से यह आशंका सही साबित हो गयी कि मनरेगा को बंद ही कर दिया जा रहा है। अब रोजगार देना प्राथमिकता नहीं है बल्कि निर्माण कार्य प्राथमिकता है। केंद्र और राज्य सरकारें वैसे सड़क, पुल-पुलिया, सामुदायिक भवन, शौचालय, स्कूल भवन आदि बनाते रहे है इससे पहले मनरेगा को इसलिए नहीं जोड़ा गया क्योंकि मनरेगा केवल रोजगार देने वाली योजना रहे लेकिन भाजपा मजदूरों को काम देने को प्राथमिकता में नहीं रख रही है, वह मनरेगा को अप्रत्यक्ष रूप से बंद ही करना ही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र में मजदूरों को रोजगार देने के लिए मनरेगा शुरू किया था। मोदी सरकार ने मनरेगा को बंद करने के लिए उसके स्वरूप को बदल कर जीरामजी कर दिया। पहले यह पूरी तरह से केंद्र पोषित योजना थी, अब इसमें केंद्र और राज्य का हिस्सा 60-40 का कर दिया।

सीबीजी इकोसिस्टम: केंद्र से मिली 50 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

रायपुर, 7 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। राज्य में कम्प्रेस्ड बायोगैस इकोसिस्टम के विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी प्रयासों को देखते हुए भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पूंजीगत निवेश विशेष सहायता योजना 2026-27 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है, जिसे इस योजना के तहत सीबीजी क्षेत्र में प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। यह उपलब्धि राज्य में जैव ईंधन और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे तेज विकास को दर्शाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

जिपं अध्यक्ष ने किया स्कूलों का निरीक्षण

रायपुर, 7 अगस्त। जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी ने ग्राम कठिया रांका स्कूल, शासकीय हाई स्कूल उमरिया एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दाढ़ी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की पढ़ाई तथा स्कूलों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने केवल कक्षाओं और विद्यालय परिसर का जायजा भी लिया और कक्षा में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और उनकी पढ़ाई को समझने का प्रयास किया।

निजी कालेजों के प्राचार्यों का संघ गठित, तिवारी अध्यक्ष, मुखर्जी बने सचिव

रायपुर, 7 अगस्त। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों के हितों, शैक्षणिक गुणवत्ता के संवर्धन तथा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से निजी महाविद्यालय प्राचार्य कल्याण संघ का गठन किया गया है। संघ की प्रथम बैठक विगत दिवस सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से विप्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी को संघ का अध्यक्ष, दुर्गा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रतिभा मुखर्जी साहूकार को उपाध्यक्ष तथा महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी को सचिव व डॉ यूलेन्द्र राजूपत कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यो में डॉ मनोज मिश्रा, प्राचार्य विवेकानन्द कॉलेज, डॉ संगीता घई, प्राचार्य डागा कॉलेज, अनिल तिवारी प्राचार्य दिशा कॉलेज, मनोज शर्मा, प्राचार्य शंकराचार्य महाविद्यालय, कुलदीप दुबे, प्राचार्य पेलोटी कॉलेज, डॉ सन्ध्या गुप्ता, प्राचार्य, गुरुकुल कॉलेज निर्वाचित हुए निर्वाचित किया गया।

बीईएमएल परियोजना से छग बनेगा भारी मशीन निर्माण का नया औद्योगिक केंद्र

रायपुर, 7 अगस्त। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स, छत्तीसगढ़ ने आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में सम्पन्न मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा है कि ये निर्णय राज्य को नई औद्योगिक, डिजिटल एवं आर्थिक दिशा प्रदान करेंगे। इन फैसलों से व्यापार, उद्योग, स्टार्टअप, कृषि, परिवहन, सेवा क्षेत्र, युवाओं एवं आम नागरिकों को व्यापक लाभ मिलेगा तथा छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी निवेश एवं औद्योगिक राज्यों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा।

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय केवल प्रशासनिक सुधार नहीं हैं, बल्कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाले परिवर्तनकारी कदम हैं।

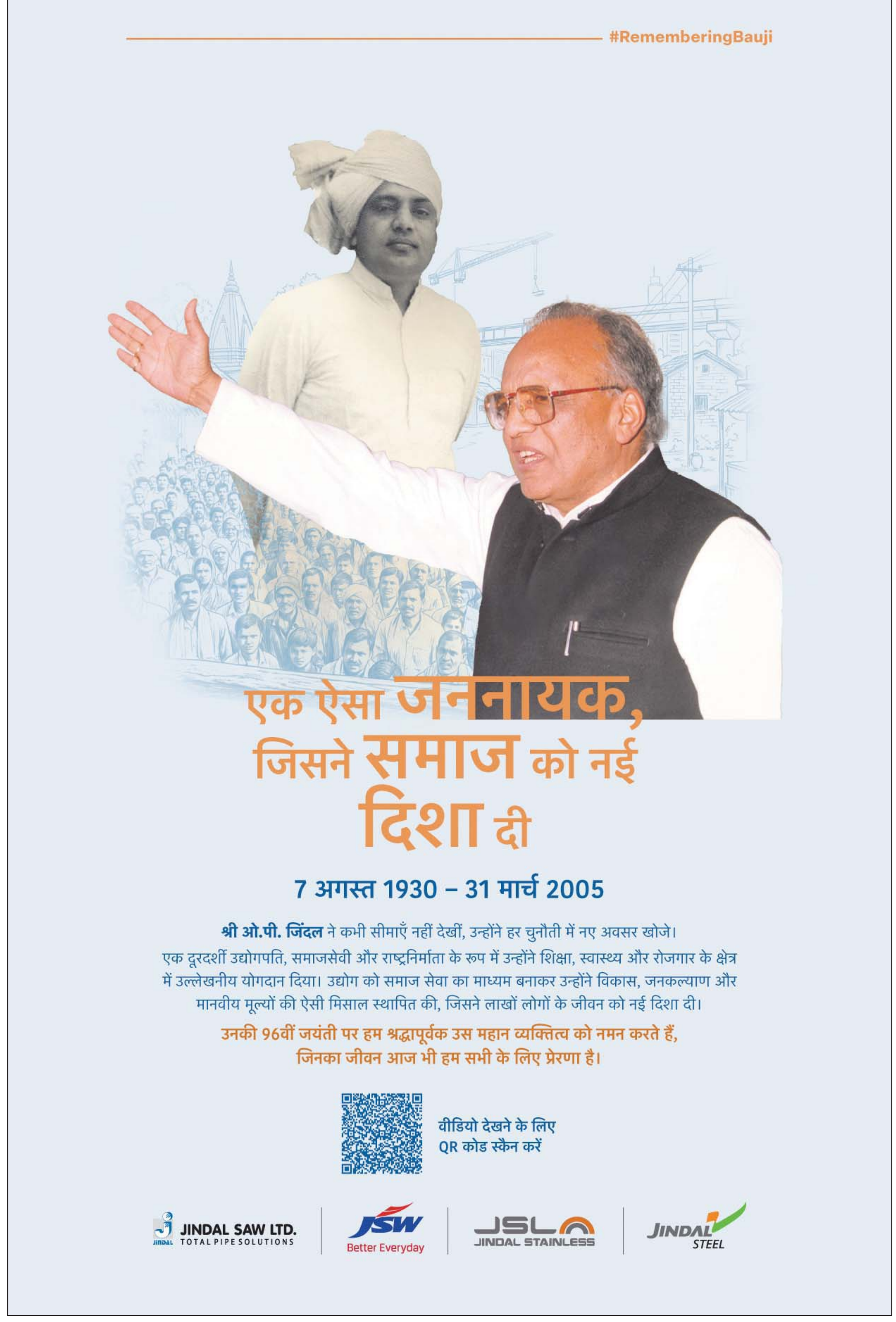

दोस्ती दिवस पर 40 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

रायपुर, 7 अगस्त। दोस्ती के पवित्र रिश्ते को सामाजिक सेवा से जोड़ते हुए रायपुर शहर की संस्था नेकी कर फाउंडेशन द्वारा दोस्ती दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेलीबांधा तालाब स्थित मरीन ड्राइव में आयोजित इस कार्यक्रम में शहरवासियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया और इसके महत्व एवं फायदों के प्रति जागरूक किया गया।

संस्था की इस पहल में 20 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से सेवा दी, जबकि 40 से अधिक लोगों ने रक्तदान कर दोस्ती और मानवता की मिसाल पेश की। रक्तदाताओं ने जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए स्वेच्छा से रक्तदान किया और समाज में रक्तदान के प्रति सकारात्मक संदेश दिया। नेकी कर फाउंडेशन के प्रमुख ने कहा कि दोस्ती केवल सोशल मीडिया पर पोस्ट और संदेशों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। सच्चा दोस्त वही है, जो जरूरत के समय अपने दोस्त के साथ खड़ा रहे और आवश्यकता पड़ने पर अपना रक्त देकर उसकी जिंदगी बचाने में मदद करे। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

कार्यक्रम के माध्यम से संस्था ने लोगों को संदेश दिया कि दोस्ती का रिश्ता केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि सेवा और मानवता के कार्यों से भी मजबूत होता है। एक रक्तदान, दोस्ती के नाम की इस पहल ने दोस्ती दिवस को एक सार्थक सामाजिक संदेश के साथ यादगार बनाया।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26